PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 262 ● भिलाई, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

असम में तेज रफ्तार कार ने ट्रक को टक्कर मारी, तीन लड़कियों की मौत

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लड़कियों की मौत हो गई. तीनों लड़कियां एक कार से घर लौट रही थी तभी रास्ते में उनकी कार की टक्कर एक ट्रक से हो गई. इस हादसे में कार सवार तीनों लड़कियों की मौत हो गई. पुलिस घटना की जांच में जुटी है. रिपोर्ट के मुताबिक तीन लड़कियां गुवाहाटी में एक कॉमेडी शो देखकर अपने कमरे में लौट रही थी लेकिन रास्ते में उनका एक्सीडेंट हो गया. गुवाहाटी के मथघरिया इलाके में सड़क के पास खड़े एक ट्रक से स्विफ्ट डिजायर गाड़ी की टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्ती थी कि दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई और एक ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. दुर्घटना सुबह करीब 3.40 बजे हुई. इसकी जानकारी मिलने के बाद नूनमती पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें हॉस्पिटल ले गई. घायल लड़कियों में से दो की पहचान पूजा साहा और आकांक्षा सैकिया के तौर पर हुई. तीसरी लड़की की पहचान अभी नहीं हो पाई है. गुवाहाटी पुलिस के डीसीपी जयंत सारथी बोरा ने बताया कि रविवार तड़के पुलिस को एक्सीडेंट की जानकारी मिली. पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाला.

भाजपा द्वारा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की की जा रही हत्या

नीमच। देश की जनता ने भाजपा को 2014 में कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार से तंग आकर एक विश्वास के साथ भाजपा को देश की सत्ता दी थी की भाजपा कांग्रेस से हटकर भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देंगी और संविधान की रक्षा करेंगी लेकिन देश की भोली भाली जनता का यह विश्वास मात्र 12 साल के भाजपा के तानाशाह राज से खत्म हो गया है और अब भाजपा में विभिन्न दलों के राजनेता जिन पर कभी भाजपा ने आरोप लगाए थे वो आज भाजपा में आकर वाशिंग मशीन से धुलकर पाक साफ हो गए है और आज जनता उससे भी ज्यादा भ्रष्टाचार और तानाशाही से रूबरू हो रही है और इस प्रक्रिया में भारत की शीर्ष संवैधानिक संस्थाओं ईडी,सीबीआई इनकम टैक्स जैसी संस्थाओं का डर दिखाकर दुरुपयोग करने का काम किसी ने किया है तो वो है ।

भारतमाला परियोजना जमीन घोटाला

पूर्वमंत्री अजय चंद्राकर के भाई भूपेंद्र के घर ईडी की दबिश

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाले को लेकर ईडी ने आज बड़ी कार्रवाई की है. प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार सुबह तड़के रायपुर, धमतरी समेत कई इलाकों में एक साथ छापेमार कार्रवाई की. ईडी ने पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर के चचेरा भाई भूपेंद्र चंद्राकर के घर भी दबिश है. बीजेपी से जुड़े नेता के घर दबिश से सनसनी फैल गई है. राजधानी रायपुर के अभनपुर क्षेत्र में जमीन कारोबारी गोपाल गांधी के ठिकानों पर भ्रष्ट की टीम ने दबिश दी है. वहीं धमतरी जिले के कुरूद में रौशन चंद्राकर के घर भी ईडी की टीम जांच कर रही है. कुरूद में ही पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर के घर पर भी कार्रवाई जारी है. सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य हाथ लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है. ईडी की टीम सुबह करीब 6 बजे से लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है. ईडी की जांच में सामने आया है कि रायपुर-विशाखापत्तनम नेशनल हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण के दौरान एक बड़ी साजिश रची गई थी. इसमें जमीन दलालों, निजी व्यक्तियों और कुछ सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत बताई जा रही है. आरोप है कि मुआवजे की रकम बढ़ाने के लिए जमीन से जुड़े दस्तावेजों में हेरफेर किया गया. इस साजिश के जरिए सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया गया. ईडी ने

यह जांच एसीबी ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर के बाद शुरू की थी. इस केस में पहले ही विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है. इसमें हरमीत सिंह खनुजा और 10 लोगों के नाम सामने आए थे. ईडी ने इसी आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई. भारत माला प्रोजेक्ट घोटाला में ईडी ने पिछले माह ही बड़ी कार्रवाई की थी. घोटाले में शामिल जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा, खेमराज कोशले, पुनुराम देशलहरे और कुंदन बघेल की 23.35 करोड़ की संपत्ति को अटैच किया था. ईडी की शुरुआत जांच में खुलासा हुआ है कि इस पूरे घोटाले में करीब 27.05 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है. जांच में अब तक 23.35 करोड़ रुपये की अवैध कमाई का पता लगाया गया है. यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 की धारा 5 के तहत की गई है. फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है और पूरे मामले पर सभी की नजर बनी हुई है. प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की जांच में पता चला है कि कृषि भूमि को बैकडेट में गैर-कृषि भूमि में बदलकर उसका मुआवजा कई गुना बढ़ाकर दिखाया गया. यह खेल राजस्व विभाग के अधिकारियों (एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी) ने जमीन दलालों के साथ मिलकर खेला. इसमें एक ही खसरे की जमीन को कागजों में छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर अलग-अलग लोगों को मुआवजा दिलाया गया.

राइस मिल अध्यक्ष के ठिकानों पर भी जांच

जांच एजेंसियों की कार्रवाई केवल एक ठिकाने तक सीमित नहीं रही। पूर्व राइस मिल अध्यक्ष रोशन चंद्राकर के ठिकानों पर भी टीमों ने जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की टीम घर के भीतर मौजूद बैंकिंग रिकॉर्ड्स, जमीन के पट्टे, संपत्तियों के दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों की बारीकी से पड़ताल कर रही है। छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों के जब्त होने की संभावना जताई जा रही है।

राज्यसभा सचिवालय से मंजूरी

राघव चड्ढा,संदीप पाठक समेत सात नेता अब भाजपा सांसद..

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद उच्च सदन में आप की स्थिति कमजोर हो गई है। संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इन सातों सांसदों को अब भाजपा सदस्य के रूप में सूचीबद्ध कर दिया गया है, जिससे राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। सूत्रों के अनुसार, इन सभी सांसदों ने शुक्रवार को सभापति को पत्र देकर स्वयं को भाजपा का हिस्सा मानने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। आप के लिए यह बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है, क्योंकि इन सात सांसदों ने पार्टी पर उसके मूल सिद्धांतों और विचारधारा से भटकने का आरोप लगाते हुए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया था। वहीं दूसरी ओर, आप ने रविवार को सभापति के समक्ष याचिका दायर कर इन सातों सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी। पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इन सांसदों के दल-बदल को लेकर अयोग्यता की मांग उठाई है। शुक्रवार को जिन सात सांसदों ने आप छोड़कर भजप का दामन थामा था, उनमें राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, अशोक कुमार मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी शामिल थे। इस घटनाक्रम ने राज्यसभा के सियासी समीकरण को पूरी तरह बदल दिया है।

जन्मदिन केक को लेकर हुआ विवाद, गोलीबारी में परिवार के तीन की मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा नगर इलाके में जन्मदिन का जश्न उस समय भयावह हो गया जब चेहरे पर केक लगाने को लेकर हुए मामूली विवाद में 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान अमरदीप सैनी, मनीष सैनी और आकाश सैनी के रूप में हुई है। इस मामले का मुख्य आरोपी जीतू सैनी है और उसका ही जन्मदिन मनाया जा रहा था। घटना के बाद वह अपने अन्य साथियों के साथ फरार हो गया। जन्मदिन की पार्टी, जो पहले एक स्थानीय जिम में और बाद में एक घर के पास आयोजित की गई थी, उस समय बिगड़ गई जब पीड़ितों ने कथित तौर पर जीतू के चेहरे पर केक मल दिया। इस मासूम हरकत के कारण अप्रत्याशित प्रतिक्रिया हुई और तीखी बहस छिड़ गई।

सांसद भोजराम नाग को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

बिलासपुर हाईकोर्ट ने खारिज की निर्वाचन रद्द करने की याचिका....

बिलासपुर। संवाददाता

सांसद भोजराज नाग को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कांकेर से निर्वाचित सांसद भोजराज नाग पर ईवीएम मशीन में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तत्कालीन उम्मीदवार बीरेश ठाकुर ने निर्वाचन रद्द करने याचिका दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया. हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि मशीनों की दोबारा जांच के लिए कोई निर्देश तब तक जारी नहीं किया जा सकता, जब तक मौखिक या डॉक्यूमेंट के ज़रिए गड़बड़ी के बारे में कोई सबूत रिकॉर्ड पर न रखा गया हो. याचिका खारिज कर याचिकाकर्ता को डॉक्यूमेंट्री सबूत रिकॉर्ड करने के बाद नई एप्लीकेशन फाइल करने की छूट दी गई है. हाईकोर्ट में यह एप्लीकेशन कांकर से सांसद पद के उम्मीदवार बीरेश ठाकुर ने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, रिटर्निंग ऑफिसर को 26 अप्रैल 2024 को कांकेर पार्लियामेंट्री सीट के लिए हुए इलेक्शन में इस्तेमाल हुई ईवीएम (बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपेट यूनिट) की चेकिंग और वेरिफिकेशन करने की इजाज़त देने के लिए एक ऑर्डर जारी करने के लिए फ़ाइल की है. इस इलेक्शन पिटीशन में पिटीशनर ने आरोप लगाया है कि इलेक्शन प्रोसेस रिटर्निंग ऑफिसर ने गलत इरादे से किया था, और इसमें कई तरह की गड़बड़ियां और गलत काम किए, जिससे इलेक्शन के नतीजे पर काफ़ी असर पड़ा. पिटीशनर ने आरोप लगाया है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

दिल की सर्जरी करते नजर आए ईरानी राष्ट्रपति

हैदराबाद। अमेरिका और इस्राइल के साथ तनाव के बीच हैदराबाद में ईरानी महावाणिज्य दूतावास ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो के जरिये ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की प्रशंसा की गई है और अमेरिका पर निशाना साधा गया है। वीडियो में शांति और युद्ध के समय पेजेशकियन की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। हैदराबाद में ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसके साथ ही महावाणिज्य दूतावास ने लिखा, 'प्रिय अमेरिकियों, आप इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति डॉ. पेजेशकियन का नाम 'ऑनलाइन

चिकित्सक निर्देशिका' में पा सकते हैं। हां, हम अलग हैं। ईरानी महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि पेजेशकियन एक बहुत अनुभवी चिकित्सा विशेषज्ञ हैं, जिन्हें हृदय शल्य चिकित्सा (हार्ट सर्जन) में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है, खासकर हृदय वाल्व मरम्मत और बच्चों की हृदय शल्य चिकित्सा में।

रवि किशन के रोड शो के दौरान तृणमूल व भाजपा समर्थकों में झड़प

हावड़ा। उत्तर हावड़ा के लिलुआ बी रोड इलाके में तब तनाव फैल गया जब रवि किशन के रोड शो के दौरान तृणमूल व भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। अभिनेता-राजनेता रवि किशन के रोड शो के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा समर्थकों के बीच राजनीतिक झड़प हो गई। यह कार्यक्रम भाजपा उम्मीदवार उमेश रॉय के समर्थन में आयोजित किया गया था, जब टीएमसी के पार्टी कार्यालय के पास स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, टीएमसी समर्थकों ने जय बंगला के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिसके जवाब में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लगाए।

रक्तरंजित हुई सड़क

रेत से भरे हाइवा ने दो युवकों को रौंदा हाइवे पर बिखर गए शरीर के चिथड़े....

आरंग। मोंदर हसौद थाना क्षेत्र में आज एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला. नेशनल हाइवे-53 पर रेत से भरे एक अनियंत्रित हाइवा ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों के चिथड़े सड़क पर बिखर गए, जिससे मृतकों की शिनाख्त करना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया. मिली जानकारी के अनुसार, यह दुखद दुर्घटना मोंदर हसौद थाना अंतर्गत ग्राम उमरिया के पास हुई. मृतक युवक होंडा कंपनी की मोटरसाइकिल

(क्रमांक सीजी 04 एलएच 2236) पर सवार होकर जा रहे थे. इसी दौरान रेत से भरे एक तेज रफ्तार हाइवा (क्रमांक सीजी 04 क्यूडब्ल्यू 9904) ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और कुचलते हुए आगे निकल गया. मौके पर मौजूद चश्मदीदों के मुताबिक, हाइवा के भारी-भरकम पहियों के नीचे आने से युवकों के शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए. सड़क पर हर तरफ खून और मांस के लोथड़े नजर आ रहे थे. स्थिति इतनी गंभीर थी कि प्रारंभिक तौर पर यह बता पाना भी मुश्किल था कि मृतक कौन हैं. घटना के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. इस हादसे ने एक बार फिर आरंग और आसपास के क्षेत्रों में रेत परिवहन करने वाले वाहनों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि रेत से भरे हाइवा चालक अधिक फेरे लगाने के चक्कर में हाईवे पर 'यमदूत' की तरह वाहन दौड़ते हैं. क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद भारी वाहनों की रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए कोई कड़े कदम नहीं उठाए जा रहे हैं.

पीएम मोदी ने बंगालवासियों के नाम लिखा पत्र

पीएम मोदी ने कहा....भय बहुत हुआ,अब भरोसा चाहिए,सभी विकसित बंगाल के लिए संकल्पित

बैरकपुर/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।

उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है। पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को 'तीर्थ यात्रा' जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी।

गाना विवाद पर मांगी माफी

महिला आयोग की सुनवाई में शामिल हुए संजय दत्त...

नई दिल्ली। फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' काफी विवादों में रहा है। इसके सीन्स और लिरिक्स पर लोगों ने विरोध जताया, जिसके बाद यूट्यूब से इसे हटा लिया गया। मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संजय दत्त को समन जारी किया था। एक्टर आज सोमवार को 'सरके चुनर' गाने को लेकर हुए विवाद से जुड़ी सुनवाई में शामिल होने के लिए दिल्ली के जसोला स्थित राष्ट्रीय महिला आयोग पहुंचे। यहां उन्होंने माफी मांगी। अभिनेता संजय दत्त को 'सरके चुनर तेरी सरके' गाने में कथित अश्लीलता और फूहड़पन को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने समन जारी किया था। इसके बाद अभिनेता आज राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए। उन्होंने आयोग के सामने कहा कि उन्हें गाने के आपत्तिजनक शब्दों की जानकारी नहीं थी। यह गाना किसी और भाषा में रिकॉर्ड किया गया था। संजय दत्त जब सुनवाई के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग के दफ्तर से बाहर निकले तो पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि आपको समन जारी किया गया था।

तीर से जख्मी 'गौर' की मौतः तीन दायरों में घूमता रहा संरक्षण, अब जिम्मेदारी तय कौन करेगा

कवर्धा। तीरों से घायल संरक्षित गौर (भारतीय बायसन) रेस्क्यू, ऑपरेशन और स्वस्थ घोषित किए जाने के बाद पंडरिया उप वन मंडल के वन परिक्षेत्र पूर्व, पश्चिम और वन विकास निगम के क्षेत्रों में लगातार विचरण करता रहा। शिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी पूर्व-पश्चिम परिक्षेत्र और निगम की संयुक्त टीम ने की, इलाज भी समन्वय से हुआ। लेकिन अंतिम दौर में यही गौर वन विकास निगम के क्षेत्र में जाकर दम तोड़ देता है। अब सबसे बड़ा प्रश्न अधिकार-क्षेत्र का नहीं, जवाबदेही का है।

घटनाक्रम और तिथियां

वन विभाग की प्रेस विज्ञप्ति क्रमांक 08, दिनांक 27.03.2026 के अनुसार, बायसन को तीर से घायल किए जाने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और जटिल शल्य-क्रिया कर उसके शरीर से तीन तीर निकाले गए। उपचार के उपरांत उसे स्वस्थ बताते हुए प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। इसी क्रम में 27 मार्च 2026 को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया और उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। लगभग एक माह बाद, 25 अप्रैल 2026 की रात करीब 9:30 बजे बायसन की मृत्यु हो गई, जिससे पूरे उपचार और पुनर्वास प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए। गौर अनुसूची–I की प्रजाति है, जिसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत सर्वोच्च संरक्षण प्राप्त है। धारा 9 शिकार को पूर्ण प्रतिबंधित करती है और धारा 39 के अनुसार वन्यजीव राज्य की संपत्ति है। जब राज्य की संपत्ति के रूप में संरक्षित वन्यजीव की मृत्यु उपचार के बाद होती है, तो यह केवल प्राकृतिक घटना नहीं मानी जा सकती; यह प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय बनती है।

संयुक्त कार्रवाई, तो संयुक्त जिम्मेदारी

घटना के बाद शिकारियों की धरपकड़ में पूर्व, पश्चिम परिक्षेत्र और वन विकास निगम की संयुक्त भूमिका रही। यदि रेस्क्यू, चिकित्सकीय निर्णय और पुनर्वास सामूहिक रूप से हुए, तो जिम्मेदारी भी सामूहिक रूप से तय होगी। वन्यजीव संरक्षण प्रबंधन में स्पष्ट कमांड संरचना होती है–उप वन मंडल अधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी और निगम प्रबंधन, सभी की भूमिका निर्धारित होती है। ऐसे में यह तर्क कि मृत्यु निगम क्षेत्र में हुई, इसलिए दायित्व सीमित हो जाता है, विधिक कसौटी पर टिकता नहीं।

पोस्ट-ऑपरेटिव प्रोटोकॉल की अनदेखी

तीन तीरों से घायल, मांसपेशियों में गहरे घाव और जटिल शल्य-ि या के बाद किसी भी बड़े वन्यजीव को नियंत्रित निगरानी, सं मण-रोधी उपचार और तापीय तनाव से सुरक्षा की आवश्यकता होती है। अप्रैल की भीषण गर्मी में खुले जंगल में छोड़ना, जबकि वह परिक्षेत्र बदलते हुए भटकता रहा, जोखिम प्रबंधन की कमी दर्शाता है। यदि पर्याप्त रिकवरी अवधि, ट्रैकिंग, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और फॉलो-अप मेडिकल समीक्षा नहीं हुई, तो यह सेवा दायित्व में चूक मानी जा सकती है।

पेड़ कटे तो घोंसले पर भी धारा, फिर यहाँ क्यों नहीं

वन कानूनों में यदि किसी पेड़ की अवैध कटाई से पक्षियों के घोंसले नष्ट होते हैं, तो अतिरिक्त धाराएं लगती हैं और पर्यावास की क्षति अपराध मानी जाती है। तब प्रश्न उठता है कि अनुसूची–I के वन्यजीव की मृत्यु, वह भी उपचारोपरांत, किस श्रेणी में रखी जाएगी। यदि लापरवाही सिद्ध होती है, तो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के साथ-साथ शासकीय सेवा आचरण नियम और भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत कर्तव्य में चूक की जांच संभव है।

किसके खिलाफकार्रवाई

चिकित्सकीय निर्णय श्रृंखला : क्या अधिकृत विशेषज्ञों की लिखित राय पर रिहाई हुई। प्रशासनिक स्वीकृति -किस अधिकारी ने अंतिम अनुमति दी और किन शर्तों पर। निगरानी तंत्र। रिहाई के बाद ट्रैकिंग, स्वास्थ्य परीक्षण और आपात हस्तक्षेप की व्यवस्था किसके जिम्मे थी। क्षेत्राधिकार समन्वय- पूर्व, पश्चिम परिक्षेत्र और निगम के बीच स्पष्ट नोडल अधिकारी कौन था। यदि संयुक्त टीम ने कार्य किया, तो संयुक्त दायित्व तय होगा। मृत्यु जिस क्षेत्र में हुई, वह केवल तथ्य है; दायित्व उस निर्णय-श्रृंखला पर तय होगा जिसने घायल वन्यजीव को रिहा किया और बाद की निगरानी सुनिश्चित करनी थी।

क्या होना चाहिए आगे

स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच समिति गठित हो, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और संपूर्ण मेडिकल रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएं। निर्णय लेने की फाइल-नोटिंग, विशेषज्ञ राय और फील्ड मॉनिटरिंग डेटा की समीक्षा हो। यदि उपचार, पुनर्वास या निगरानी में कमी सिद्ध होती है, तो संबंधित अधिकारियों पर नियमानुसार विभागीय और दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संरक्षण केवल शिकारियों की गिरफ्तारी से पूरा नहीं होता। अनुसूची–I के वन्यजीव की मौत पर पारदर्शी जवाबदेही तय करना ही कानून की असली परीक्षा है।

भक्त माता कर्मा जयंती पर विधायक दीपेश साहू ने दिया विकास, शिक्षा और एकता का संदेश

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम ठेंगाभाठा में परिक्षेत्रीय साहू संघ दारगांव द्वारा परिक्षेत्र स्तरीय भक्त माता कर्मा महोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, अध्यक्षता जिला साहू संघ दुर्ग अध्यक्ष नंदलाल साहू, ने की द्य जबकि साजा विधायक ईश्वर साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। वही दुर्ग जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष लखन लाल साहू विशेष अतिथि के रूप मे शामिल हुए । कार्यक्रम का शुभारंभ भक्त माता कर्मा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विधायक साहू ने माता कर्मा जी को नमन करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की। इस दौरान छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोक कला मंच लोक लोक बयार के कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। विधायक ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का महत्वपूर्ण उदाहरण है । कार्यक्रम में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा गांव के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों एवं बुजुर्गों का भी मंच से सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि भक्त माता कर्मा आज केवल साहू समाज की नहीं, बल्कि पूरे समाज की आस्था और श्रद्धा का केंद्र हैं। उनका जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण है, जिससे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, तो एक आदर्श समाज का निर्माण संभव है। माँ कर्मा जी का जीवन हमें निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने की सीख देता है। विधायक ने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

विकास कार्यों पर जोर

विधायक साहू ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्र में सड़कों का निर्माण, पेयजल व्यवस्था का विस्तार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए बेहतर समर्थन मूल्य, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। सरकार का उद्देश्य हर वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना और समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

शिक्षा पर विशेष जोर

शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मैं स्वयं एक शिक्षक रहा हूँ, इसलिए शिक्षा की शक्ति को भली-भांति समझता हूँ। सभी अभिभावकों से मेरा आग्रह है कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाएं, ताकि वे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर समाज और देश का नाम रोशन कर सकें। शिक्षा ही विकास की सबसे मजबूत नींव है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का लाभ दे रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना चलाई जा रही है। भूमिहीन मजदूर परिवारों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 1.5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना भी लागू की जा रही है।

स्वच्छता के लिए अपील

अपने संबोधन के अंत में विधायक ने स्वच्छता को लेकर विशेष अपील करते हुए कहा कि हमें अपने गांव, मोहल्ले और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण से सकारात्मक सोच विकसित होती है, जो एक बेहतर समाज के निर्माण में सहायक होती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कचरा इधर-उधर न फैलाएं और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

उपस्थित गणमान्य नागरिक

इस अवसर पर साहू समाज के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से राकेश साहू अमरदास साहू विधायक प्रतिनिधि किशुन साहू विधायक प्रतिनिधि उकेंद्र साहू परिक्षेत्रीय अध्यक्ष कृष्णा साहू भागवत साहू अकेश्वर साहू बिसेलाल साहू काशी राम साहू जोशी साहू लीला राम साहू गिरवर साहू मोहन लाल साहू शारदा साहू गिरधारी साहू किशन साहू ताराचंद साहू राम दयाल साहू मांगतू साहू चकेशवारी साहू कौशल्या साहू, थानेश्वर साहू, डामन साहू सहित समस्त साहू समाज के पदाधिकारी गण ग्रामवासी क्षेत्रवासी उपस्थित रहे ।

राजगामी संपदा में वैष्णव समाज से खिलवाड़ उपाध्यक्ष का पद देकर लॉलीपॉप देने के आरोप

डोंगरगांव नगर। राज्यशासन द्वारा राजगामी संपदा न्यास में हालिया नियुक्ति विवादों में आ गया है। कांग्रेस नेता, समाजसेवी एवं कोहका के पूर्व सरपंच कोहका कमलनारायण वैष्णव ने राज्य शासन द्वारा राजगामी संपदा न्यास में की गई नियुक्ति पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इसे वैष्णव समाज के साथ सीधा खिलवाड़ बताया है। समाजसेवी कमल दाऊ ने स्वर्गीय वैष्णव राजा दिग्विजय दास वैष्णव की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धरोहर वैष्णव समाज से जुड़ी रही है, इसलिए इस पर समाज का पहला अधिकार बनता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर वैष्णव समाज को अध्यक्ष पद से वंचित कर केवल उपाध्यक्ष पद देकर लॉलीपॉप देने की कोशिश की है, जो समाज के सम्मान के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि राज्यशासन का निर्णय बीजेपी की नीतियों को दर्शाता है, जिसमें समाज विशेष की अनदेखी की जा रही है।

वैष्णव ने आगे कहा कि वैष्णव समाज को इस बार उम्मीद थी कि राजगामी संपदा जैसे महत्वपूर्ण पद पर समाज के योग्य प्रतिनिधि को अध्यक्ष बनाया जाएगा, लेकिन राज्य सरकार ने वैष्णव समाज की भावनाओं की अनदेखी की है।

देवर्षि नारद मुनि जयंती पर जुटेंगे प्रदेशभर के पत्रकार, कबीरधाम में होगा वृहद आयोजन

कवर्धा। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन जिला इकाई कबीरधाम द्वारा आगामी 2 मई को देवर्षि नारद मुनि जयंती का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दुर्ग संभाग सहित प्रदेशभर से पत्रकार साथियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। आयोजन को ऐतिहासिक और प्रेरणादायी स्वरूप देने की दिशा में व्यापक तैयारियां जारी हैं। प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर दुबे के निर्देशानुसार, संभागीय उपाध्यक्ष भुवन पटेल के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष श्याम टंडन के नेतृत्व में कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप देने की रूपरेखा तैयार की गई है। आयोजन की सफलता के लिए पंडरिया ब्लॉक अध्यक्ष टीकम चंद जैन, सहसपुर लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष उमेश छेदावी सहित पूरे कबीरधाम जिले की टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई है। सभी पदाधिकारी एवं सदस्य कार्यक्रम को यादगार बनाने में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। देवर्षि नारद मुनि भारतीय परंपरा में संवाद, संचार और सत्य के प्रतीक माने जाते हैं। वे देवताओं, ऋषियों और लोक के बीच सेतु का कार्य करते थे। उनका चरित्र केवल संदेशवाहक का नहीं, बल्कि धर्म, नीति और लोककल्याण के लिए सजग चेतना का प्रतीक है। नारद मुनि ने सदैव सत्य का प्रसार किया और समय-समय पर समाज को दिशा देने का कार्य किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए उनका जीवन आदर्श और प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में देवर्षि नारद मुनि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा, उनके जीवन मूल्यों पर आधारित विचार गोष्ठी आयोजित होगी तथा पत्रकारिता के दायित्व, निष्पक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर मंथन किया जाएगा। साथ ही आपसी संवाद, सम्मान एवं संगठन की मजबूती पर भी विशेष चर्चा की जाएगी। जिला इकाई ने सभी पत्रकार साथियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा देवर्षि नारद मुनि के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सकारात्मक, निर्भीक और जनहितैषी पत्रकारिता का संकल्प लें।

क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा ने किया सोलर संयंत्रों का औचक निरीक्षण

दल्लीराजहरा। भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की सौर आधारित महत्त्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से राज्य के नागरिकों को लाभ पहुंचाने का कार्य गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के क्रियान्वयन हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार की नोडल एजेंसी क्रेडा द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार कार्यों की उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं इसमे जीरो टॉलरेंस नीति को फलीभूत करने का कार्य कर रहे क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा द्वारा दुर्ग संभाग के बालोद जिले के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना ,सौर सुजला योजना, इत्यादि योजनाओं के अंतर्गत स्थापित सोलर संयंत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम क्रेडा सीईओ ने डौंडी विकासखंड के ग्राम पुसावड़ में सौर सुजला योजना द्वारा स्थापित सौर संयंत्र के हितग्राही रायसिंग के यहाँ स्थापित 03 एच.पी. सबमर्सिबल पम्प का निरीक्षण किया जहां हितग्राही सुचारू रूप से कार्यशील संयंत्र द्वारा अपनी 02 एकड़ जमीन में पानी का उपयोग कर खरीफ एवं रबी फसल लगाकर अपनी आमदनी दुगुनी कर रहे है।तत्पश्चात् उन्होंने ग्राम पुसावड़ में ही जल जीवन मिशन फेस-01 अंतर्गत स्थापित सोलर पेयजल संयंत्र का निरीक्षण किया गया, जिसमे क्रेडा द्वारा स्थापित सोलर पम्प कार्यशील पाया गया। क्रेडा सीईओ द्वारा संयंत्र के निकट के रहवासी शंकर लाल नेताम, राम देव केरेती, दौलत केरेती, अनिल, विरेन्द, भुवनेश्वर के घर जाकर संयंत्र से कनेक्टेड पाईप लाईन से उनके घर में पानी की उपलब्धता का अवलोकन किया गया। ग्राम में भ्रमण के दौरान वहाँ उपस्थित ग्रामवासियों द्वारा जानकारी दी गई कि स्थापित संयंत्र से पानी मोहल्ले के सभी घरों तक पहुंच रहा है। ग्राम पुसावड़ के सभी हितग्राहियों ने पम्प के बेहतर संचालन के लिए क्रेडा सीईओ राणा एवं विभाग का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में राणा द्वारा डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम लखमाटोला में सौर सुजला अंतर्गत स्थापित सौर संयंत्र के हितग्राही रूपेश कुमार निषाद के यहाँ स्थापित 03 एच.पी. सबमर्सिबल पम्प का निरीक्षण किया गया। हितग्राही ने अवगत कराया गया कि उक्त संयंत्र के स्थापना के बाद से अब तक निरंतर कार्यशील है।

जिला स्तरीय प्रयास आवासीय वियालय मॉडल टेस्ट परीक्षा का तोषगाव में हुआ आयोजन

सरायपाली। फुलझर अंचल के ऐतिहासिक गांव तोषगांव में प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा एवं राष्ट्रीय साधन सह छात्रवृत्ति परीक्षा हेतु अभ्यास परीक्षा का आयोजन किया गया । सभी परीक्षार्थी पालक एवं अधिकारी कर्मचारी फुलझर सेवा समिति के संस्थापक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित जयदेव सतपथी की मूर्ति पर पुष्पांजली अर्पित कर परीक्षा संचालन प्रारंभ किया गया । इस परीक्षा में महासमुंद सारंगढ़ बलौदाबाजार जिले के 410छात्र छात्रा भाग ले रहे हैं।

इस अभ्यास परीक्षा का मुख्य उद्देश्य 2 मई को आयोजित राष्ट्रीय साधन सह छात्रवृत्ति परीक्षा एवं 10 मई को प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी का परीक्षण करना है इस अभ्यास परीक्षा में सभी बच्चों को ओएमआर शीट भरना प्रश्नों को गहनता से अध्ययन कर समय प्रबंधन के साथ हल करना एवं बच्चों के अध्ययन अध्यापन को प्रतियोगी परीक्षा की दृष्टि से सही मार्गदर्शन प्रदान करना है। उक्त परीक्षा के आयोजन में संकुल तोरेसिंहा के शिक्षको तोषगांव के नागरिक बंधुओ एवं स्थानीय शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है जिन्होंने पूरे जिले के छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु निशुल्क रूप से अभ्यास परीक्षा का आयोजन किया है एवं विद्यार्थी पालको के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की है । यह परीक्षा जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द विजय कुमार लहरे , डी एम सी आर शर्मा विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी टी सी पटेल विकास खण्ड स्रोत समन्वयक देवानंद नायक ,संकुल प्रभारी आर के भोई के संयुक्त मार्गदर्शन में एवं संयोजक संकुल समन्वयक संजीत कुमार पात्रो केन्द्राध्यक्ष प्राचार्य बी आर भोई हस्र तोषगांव इस परीक्षा के प्रभारी व नियंत्रक प्रधानपाठक सेवाशंकर साहु, डाटा आपरेट प्रभारी सक्रिय शिक्षक विवेक प्रधान व संकुल के समस्त प्रधान पाठकों के संयुक्त नेतृत्व में तृतीय संस्करण का आयोजन संकुल केंद्र तोरेसिंहा(परीक्षा केन्द शासकीय ग्रामीण हायर सेकण्डरी स्कूल तोषगांव ग्राम तोषगांव) में किया गया ।

वाहन मालिक ने खाली टैंकरों को लेने से किया इंकार, गैस चोरी की शिकायत

सरायपाली। थाना सिंघोड़ा में बीते दिसंबर माह में गैस से भरे हुए 06 एलपीजी कैप्सूल टैंकर वाहन जब्त किये गए थे, जिन्हें वापस प्राप्त करने के लिए वाहन स्वामी ने पहले सरायपाली न्यायालय में आवेदन दिया। वहाँ से राहत न मिलने पर उसने उच्च न्यायालय की शरण ली। अंततः उच्च न्यायालय से जमानत के साथ वाहन को सुपर्द करने का आदेश जारी किया गया। इस बीच लगभग 3 माह तक वाहन थाने में ही खड़े रहे और वाहनों की सुपुर्दगी लेने के लिए आने के कुछ दिनों पूर्व ही टैंकर वहाँ से गायब हो गए। थाना प्रभारी द्वारा टैंकरों को खाद्य विभाग के सुपुर्द करने की बात वाहन स्वामी को बताई गई। जबकि, खाद्य विभाग के द्वारा थाने में ही चर्चा करने के लिए कहा गया। इस प्रकार कुछ दिनों तक दोनों विभागों द्वारा वाहन स्वामी को गोलमोल जवाब देते हुए परेशान किया गया और टैंकरों के बारे में उन्हें सही जानकारी नहीं दी गई। इससे तंग आकर वाहन स्वामी ने वाहनों में लगे जीपीएस की सहायता से वाहनों का पता लगाया तो उन्हें वहाँ से लगभग 200 किलोमीटर दूर अभनपुर के एक निजी कंपनी में टैंकरों के होने की जानकारी मिली। वहाँ पहुँचकर देखने पर टैंकरों से गैस ही गायब थी। जबकि टैंकर जब्ती के समय उसमें गैस भरा हुआ था। अब वाहन स्वामी पर टैंकरों को उसी हालत में वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि आखिरकार लाखों की कीमत का हजारों किलोग्राम गैस कहाँ गायब हो गयी? तीन माह तक टैंकर थाने में खड़े रहे तो ऐन सुपुर्दगी से पहले ही उसे क्यों हटा दिया गया? थाना प्रभारी व खाद्य विभाग ने वाहन स्वामी को सही जानकारी क्यों नहीं दी? वाहन स्वामी द्वारा कलेक्टर महासमुंद से गैस चोरी की शिकायत की गई है। जिसकी जाँच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार आवेदक टैंकरों के पंजीकृत स्वामी एम.एस. एवरग्रीन ट्रेलर सर्विस प्रो. के. सुब्रमन्यम द्वारा कलेक्टर महासमुंद को दिये आवेदन के अनुसार तीन एलपीजी टेंकर वाहन क्रमांक सीजी 07 सीएस 7244, सीजी 07 सीएस 7245 एवं सीजी 07 सीएस 1663 को थाना सिंघोड़ा जिला महासमुंद के अपराध क्रमांक 96/2025 व दांडिक प्रकरण क्रमांक 67/2026, शासन विरुद्ध प्रकाश गुप्ता वगैरह अंतर्गत धारा 305 ई. 287 3 (5) भारतीय न्याय संहिता एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3,7 के अनुसंधान में 24/12/2025 को कागजात जब्त कर थाना सिंघोड़ा में रखा गया था। आवेदक द्वारा भूपेंद्र कुमार साहू को उपरोक्त तीनों एलपीजी वाहन को सुपुर्दनामा में प्राप्त करने हेतु आम मुख्त्यार नियुक्त कर सरायपाली न्यायालय में सर्वप्रथम 5 जनवरी 2026 को आवेदन प्रस्तुत किया गया। खारिज किये जाने पर उनके द्वारा अतिरिक्त सत्र न्यायालय सरायपाली के समक्ष पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत किया गया, वहां से 16 फरवरी 2026 को निरस्त किया गया। उक्त आदेश से क्षुब्ध होकर आवेदक ने वाहनों को सुपुर्दनामा में प्राप्त करने हेतु उच्च न्यायालय बिलासपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया। उच्च न्यायालय के द्वारा 6 अप्रैल 2026 को प्रति वाहन 20 लाख रूपए के व्यक्तिगत बंधपत्र (जमानतदार) व निजी मुचलका के साथ आवेदक/सुपुर्ददार को दिए जाने का निर्णय पारित किया गया। उक्त आदेश के परिपालन में वाहन का सुपुर्दनामा प्राप्त करने आवेदक 9 अप्रैल 2026 को थाना सिंघोड़ा पहुँचा। जहाँ उन्हें वाहन को 2-3 दिन बाद ले जाने की बात कही गई। 3 दिन बाद पुनः जाने पर थाना प्रभारी द्वारा वाहनों को सुरक्षार्थ खाद्य विभाग के सुपुर्द करने की बात कहकर 2-3 दिन और इंतजार करने कहा गया। 6 दिन बाद पुनः जाने पर उन्हें खाद्य विभाग से संपर्क करने कहा गया। इसी तरह जब आवेदक ने खाद्य विभाग महासमुंद से संपर्क किया, तो उनके द्वारा उन्हें थाना प्रभारी सिंघोड़ा से संपर्क करने कहा गया। इस प्रकार 4-5 दिनों तक थाना प्रभारी व खाद्य अधिकारी गोलमोल जवाब देकर उन्हें घुमाते रहे और वाहन को सुपुर्दनामे में नहीं दिया गया। आवेदक को संदेह होने पर उन्होंने अपने तीनों वाहनों को जीपीएस से ट्रैक किया तो उन्हें ज्ञात हुआ कि वाहन स्वामी को बिना जानकारी दिये वे वाहन एक निजी कंपनी ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में भेज दिये गए हैं। इस जानकारी के बाद 17 अप्रैल को आवेदक द्वारा थाना प्रभारी सिंघोड़ा और खाद्य अधिकारी से चर्चा करने पर आनन फानन में उसी दिन वाहन सुपुर्दनामे के लिए दो पुलिस स्टाफ उपलब्ध कराकर उन्हें उक्त निजी कंपनी में भेज दिया गया। वाहन प्राप्त करने के लिए उन्हें एक गेट पास के साथ घोषणा पत्र भरने के लिए दिया गया, जिससे उन्हें संदेह होने पर उन्होंने तीनों वाहनों को दिखाने का आग्रह किया। वाहनों को देखने पर टैंकरों के वाल्व (सुरक्षा सील) टूटे मिले। जहाँ से गैस लोडिंग व अनलोडिंग होता है। कंपनी के कर्मचारी से पूछने पर उसने वाहन उसी अवस्था में प्राप्त होने की बात कही। आवेदक द्वारा वाहनों की जाँच करने पर पाया कि उसमें से गैस निकाला जा चुकी है, जबकि थाना सिंघोड़ा द्वारा जब्ती के दौरान तीनों वाहनों में कुल लगभग 53 हजार किलोग्राम गैस भरी हुई थी। आवेदक ने कलेक्टर को दिये पत्र में लिखा है कि गैस न होने की जानकारी देने पर थाना प्रभारी सिंघोड़ा एवं खाद्य अधिकारी महासमुंद द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाया गया और आवेदक पर वाहनों को उसी स्थिति में ले जाने के लिए दबाव बनाया गया। आखिरकार वाहन स्वामी ने अभी तक वाहनों को सुपुर्दनामा पर प्राप्त नहीं किया है। शिकायतकर्ता वाहन स्वामी द्वारा संबंधित मामले की जाँच करने और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किये जाने और कुल 52930 किलोग्राम गैस उन्हें वापस दिलाने की मांग की गई है। जिसकी कीमत लाखों में है।

संक्षिप्त समाचार

युवक के साथ अमानवीय व्यवहार करने वाले 9 ग्रामीण गिरफ्तार

रायपुर। जिले के रामानुजनगर थाना क्षेत्र के पस्ता गांव में एक युवक के साथ चोरी के शक में ग्रामीणों द्वारा सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुर निवासी रहमान ताज नामक युवक को पस्ता गांव बुलाया गया था। वहां ग्रामीणों ने उस पर चोरी का आरोप लगाते हुए पहले उसका आधा सिर मुंडवा दिया। इसके बाद युवक को जूते-चप्पलों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया गया। इस दौरान उसकी पत्नी को भी साथ में घुमाया गया, जिससे दोनों को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। बताया गया है कि घटना के दौरान युवक और उसकी पत्नी के साथ मारपीट भी की गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से फैल गया और प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया। घटना के बाद युवक के पिता ने रामानुजनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को झूठे आरोपों के आधार पर सजा दी गई, जो पूरी तरह अनुचित है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। रामानुजनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकालते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर कानून का सहारा लें और स्वयं किसी भी तरह की सजा देने से बचें।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने वाला अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह पकड़ाया

रायपुर। डिजिटल अरेस्टके नाम पर लोगों को डराकर ठगी करने वाले एक अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह का रायगढ़ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक महिला समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने एक रिटायर्ड अधिकारी को झांसा देकर करीब 37 लाख रुपये की ठगी की थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी खुद को टेलीकॉम विभाग, फर्जी आईपीएस और सीबीआई अधिकारी बताकर लोगों को डराते थे। वे पीड़ितों को फोन कर कहते थे कि उनके खिलाफ गंभीर मामला दर्ज है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है। इसके बाद वीडियो कॉल, फर्जी दस्तावेज और मानसिक दबाव बनाकर उनसे बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवा लेते थे। जांच के दौरान रायगढ़ साइबर पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, कॉल डिटेल और बैंक ट्रांजेक्शन ट्रेल के जरिए गिरोह तक पहुंच बनाई। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, लैपटॉप और कई संदिग्ध बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं, जिससे पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पुलिस टीम ने राजस्थान के भीलवाड़ा में दबिश देकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर रायगढ़ लाया गया है, जहां उनसे आगे की पूछताछ जारी है।जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह का मास्टरमाइंड एक निजी बैंक का कर्मचारी है। गैंग में एक वेब डेवलपर समेत कई शातिर सदस्य शामिल थे, जिन्होंने मिलकर ठगी का संगठित तंत्र तैयार किया था।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह गिरोह देशभर में करीब 1 करोड़ 40 लाख 77 हजार 300 रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे चुका है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों और बैंक खातों की जांच में जुटी है।रायगढ़ के एसएसपी शशि मोहन सिंह ने लोगों से अपील की है कि डिजिटल अरेस्ट जैसे किसी भी कॉल से सावधान रहें। किसी भी प्रकार के डर या दबाव में न आएं, पहले जानकारी का सत्यापन करें और ठगी की आशंका होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

5.6 किलो गांजा के साथ हिस्ट्रीशीटर मोंटू मालेकर दबोचा, नाबालिग साथी भी पकड़ा गया

रायपुर। नशे के कारोबार पर पुलिस ने ऐसा वार किया कि लंबे समय से सक्रिय हिस्ट्रीशीटर आखिरकार जाल में फंस गया, 23 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सटीक सूचना पर जेल रोड चौथान मोड़ के पास पुलिस टीम ने घेराबंदी की और मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त 08 5014 पर सवार दो संदिग्धों को रोकते ही बड़ा खुलासा हुआ, बाइक पर सवार मोहित उर्फ मोंटू मालेकर (35) निवासी जेल रोड वार्ड नंबर 21 और उसके साथ एक 16 वर्षीय विधि से संघर्षरत बालक गांजा की खेप लेकर जा रहे थे, तलाशी में 5.610 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ जिसकी कीमत करीब 1 लाख रुपये आंकी गई जबकि बाइक की कीमत 1.5 लाख रुपये बताई गई, कुल मिलाकर 2.5 लाख की जब्ती ने पूरे नेटवर्क की गंभीरता उजागर कर दी, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व एसडीओपी केशरी नंदन नायक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी (प्रशिक्षु डीएसपी) सुमन जायसवाल और निरीक्षक संतोष जायसवाल की टीम पहले से ही इलाके में सक्रिय थी, जैसे ही इनपुट मिला तुरंत घेराबंदी की गई और बिना मौका दिए आरोपियों को दबोच लिया गया, पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी मोहित उर्फ मोंटू मालेकर कोई साधारण नाम नहीं बल्कि अपराध की दुनिया का पुराना खिलाड़ी है।

प्रतिभा,पारदर्शिता और अवसर से ही बनेगा भारत वैश्विक खेल शक्ति

मजबूत खेल व्यवस्था से ही ओलंपिक में सफलता संभव-साव

- केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय जल्दी ही युवा मामलों पर भी आयोजित करेगा विशेष चिंतन शिविर
- उप मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर में 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' सत्र की अध्यक्षता की, छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों को किया साझा

रायपुर/ संवाददाता

केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा श्रीनगर में आयोजित खेल चिंतन शिविर के दूसरे दिन आज उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स'पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर बेस्ट प्रेक्टिसेस पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया। श्री साव ने विभिन्न राज्यों से आए खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिए लागू बेस्ट गवर्नेंस प्रेक्टिसेस को विस्तार से साझा किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। चिंतन शिविर में शामिल अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की भावी योजनाओं की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी मॉडल बताया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर के दौरान दो दिनों तक विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए छत्तीसगढ़ में बेहतर खेल अवसंरचना, प्रतिभा संवर्धन एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। श्री साव ने कहा कि प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही भारत वैश्विक खेल शक्ति बनेगा। मजबूत खेल व्यवस्था और प्रोत्साहन से ही देश को ओलंपिक खेलों में बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह चिंतन शिविर छत्तीसगढ़ और पूरे देश में खेलों के समग्र विकास, सुदृढ़ खेल व्यवस्था के निर्माण तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चिंतन शिविर के दूसरे दिन भी आज अलग-अलग सत्रों में खेल प्रशासन, नीतिगत सुधार एवं युवा मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान राज्यों में खेल सामग्रियों के निर्माण, सरकारी योजनाओं तथा स्पोर्ट्स स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इसमें यह बात प्रमुखता से आई कि भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरणों का निर्माण किया जाए, जिससे देश का खेल उद्योग आत्मनिर्भर बन सके। आज एक महत्वपूर्ण सत्र में सलेक्शन पॉलिसी और एज ग्रुप पर भी विशेष चर्चा हुई। इसमें खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं स्पष्ट मापदंड सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही उम्र में गड़बड़ी की रोकथाम के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया एवं तकनीकी उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि खेलों में ईमानदारी एवं विश्वसनीयता बनी रहे। आज का अंतिम सत्र 'माई भारत' की योजनाओं और इसकी कार्ययोजना पर केंद्रित रहा। इसमें खेलों के साथ-साथ युवा मामलों को भी समान महत्व देते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक इनका लाभ पहुंच सके। चिंतन शिविर के समापन के दौरान केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने घोषणा की कि जल्दी ही केवल युवा मामलों पर केंद्रित एक विशेष चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जमीन विवाद में बड़ी मां की हत्या जंगल में शव फेंक आया था बेटा

रायपुर। संवाददाता

छाल क्षेत्र के ग्राम बेहरामार में जमीन विवाद से उपजे एक अंधे कत्ल का छाल पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वृद्ध महिला की हत्या कर शव को मोटरसाइकिल में लादकर जंगल में फेंकने की यह वारदात क्षेत्र में सनसनी फैलाने वाली रही, लेकिन रायगढ़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई, वैज्ञानिक विवेचना और सटीक पूछताछ से पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया गया। घटना का खुलासा तब हुआ जब 22 अप्रैल को ग्राम बेहरामार निवासी लोकनाथ राठिया ने थाना छाल पहुंचकर अपनी मां केवला बाई राठिया (70 वर्ष) के 4-5 दिनों से लापता होने और चचेरे भाई आशन राठिया पर जमीन विवाद के चलते अनहोनी की आशंका जताई। इसी दौरान बेहरामार-जामपाली पगडंडी मार्ग के जंगल झुरमुट में शव पड़े होने और दुर्गंध आने की सूचना मिली। थाना प्रभारी छाल द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां झाड़ियों के बीच गड्ढे में महिला का सड़ा-गला शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान केवला बाई राठिया के रूप में हुई। जांच और परिजनों से पूछताछ में सामने आया कि जमीन बंटवारे और बिक्री को लेकर आरोपी आशन राठिया का मृतिका से लंबे समय से विवाद चल रहा था। 18 अप्रैल को महुआ बीनने के दौरान आरोपी ने जमीन बेचने की बात को लेकर बड़ी मां के साथ विवाद किया और हाथ-मुक्कों तथा लात-घूसों से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने किसी को भनक न लगे, इस मंशा से शव को अपनी मोटरसाइकिल में लादकर जंगल के झुरमुट में फेंक दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी छाल निरीक्षक नासिर खान ने तत्काल मर्ग जांच, पंचनामा और तकनीकी व परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर संदेही आशन राठिया को हिरासत में लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक नासिर खान के नेतृत्व में सघन पूछताछ में आरोपी टूट गया और हत्या कर शव छिपाने की बात स्वीकार कर ली।

दलदल सिवनी के अपार्टमेंट में एसी फटने से लगी आग

रायपुर। राजधानी रायपुर के दलदल सिवनी इलाके में दोपहर एक बहुमंजिला इमारत में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। दलदल सिवनी स्थित क्रॉस विंड अपार्टमेंट की छह मंजिला इमारत के तीसरे माले के एक फ्लैट में एसी फटने से आग लग गई। शुरुआती चिंगारी ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और पूरे परिसर में धुआं फैल गया।आग लगते ही अपार्टमेंट के अन्य फ्लैट में रहने वाले लोग घबराकर बाहर निकलने लगे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

कमिश्नरी बनने के बाद अपराध तो बेलगाम है

रायपुर पुलिस कमिश्नरी तो वसूली कमिश्नरेट बन गया है-कांग्रेस.....

- केवल ट्रैफिक के चालान भेजना, घरों से गाड़ी उठाना ही पुलिस कमिश्नरी काम है?

रायपुर। संवाददाता

रायपुर पुलिस कमिश्नरी वसूली कमिश्नरेट बन गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजधानी की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था को सुधारने के नाम पर सरकार ने राजधानी में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू किया था, राजधानी की कानून व्यवस्था में कोई सुधार तो नहीं हुआ। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के कारण नागरिकों की परेशानी जरूर बढ़ गई। अपराध और अपराधी तो बेलगाम है ही अब सड़क पर पुलिस का चालान नागरिकों में एक नया खौफ पैदा कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजधानी के सभी चौराहे पर बनाई गई स्टॉप लाइन मिट गई है, जेब्रा क्रासिंग मिट गयी है पुलिस अंदाजन लोगों को लाइन क्रास करने के नाम पर चालान भेज रही है। चालान नहीं पटाने पर गाड़ियां घर से उठाये जाने की धमकी दी जा रही, गाड़ियां घरों से उठाई जा रही है। रायपुर कमिश्नरी की पुलिस से राजधानी वासी खौफ खाने लगे है। पुलिस व्यवस्था बनाने नहीं वसूली करने चालान भेज रही है, पुलिस का रवैया आपत्तिजनक है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कमिश्नरी प्रणाली का काम केवल ट्रैफिक के नाम पर वसूली करना मात्र ही है। क्या पुलिस अपराधों के नियंत्रण तथा पुलिस की गश्ती व्यवस्था को सुधारने गली।

'पिता छाँव वट वृक्ष की' के तीसरे संस्करण का विमोचन किया गया

रायपुर/ संवाददाता

विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर कल 23 अप्रैल को राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय कवि राजेश जैन 'राही' की काव्य -कृति *पिता छाँव वट वृक्ष की * के तीसरे संस्करण का विमोचन किया गया। वृन्दावन हॉल, सिविल लाइन में यह आयोजन नवरंग काव्य मंच ने किया। मुख्य अतिथि रायपुर के कलेक्टर गौरव कुमार सिंह, मुख्य वक्ता साहित्यकार डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' , एम.राजीव, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनिल द्विवेदी और रंगकर्मी आचार्य रंजन मोड़क ने संयुक्त रूप से इस काव्य -कृति का विमोचन किया । सरस्वती वंदना नेहा जैन और प्रिया जैन ने प्रस्तुत की। काव्य गोष्ठी का संचालन प्रियंका उपाध्याय ने और विमोचन सत्र का संचालन ऊर्मिला देवी उर्मी ने किया। इस अवसर पर कवि राजेश जैन 'राही' ने रामचरितमानस में हिंदी काव्य के नव रसों पर एकल प्रस्तुति दी, जिसे खूब सराहा गया । मुख्य अतिथि गौरव कुमार सिंह ने पिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि पुत्र की प्रसिद्धि और पहचान में पिता की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रमुख वक्ता डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने दोहे के इतिहास एवं महत्व को रेखांकित करते हुए राही के दोहों को पिता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि एवं समय सापेक्ष निरुपित किया।आचार्य रंजन मोड़क ने पिता पर एकल नाटिका प्रस्तुत की। इस नाटिका को भी खूब प्रशंसा मिली । विमोचन सत्र के बाद राजधानी की जिन विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं तथा प्रतिभाओं को 'नवरंग सम्मान' से सम्मानित किया गया,उनके नाम हैं - आर्टिस्टिक वाइब्स फाउंडेशन , कनिष्का फाउंडेशन ,अशोका हाइट हनुमान चालीसा समिति,रायपुर वेलफेयर फाउंडेशन सोसायटी,कोपलवाणी, श्री शक्ति महिला बाल फाउंडेशन, रंगभूमि रायपुर ,श्री साखी गोपाल पण्डा, श्री तिलक भोगल एवं प्रांजल सिंह राजपूत , संचालक - लोकरागी लोकगाथा भरथरी संस्था । इस अवसर पर काव्य दरबार में कवियों ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। काव्य पाठ करने वालों में मुख्य रूप से आद्या सिंह, परितोष पाणीग्राही, कुश सिंह, राकेश तिवारी,आदित्य उपाध्याय,अब्बास इमरान, विकास शर्मा, गौरव दुबे,निकिता सिंह।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जशपुर की महिलाओं को बड़ी राहत,धुएँ से मुक्ति के साथ जीवन हुआ आसान

रायपुर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जशपुर जिले की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन संकल्प के तहत राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि हर पात्र परिवार तक समय पर लाभ पहुँच सके। जशपुर जिले में अब तक 1 लाख 54 हजार से अधिक महिलाओं को इस योजना के तहत नि:शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इससे महिलाओं को पारंपरिक चूल्हों के धुएँ से राहत मिली है और उनका दैनिक जीवन अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक हो गया है। हाल ही में विकासखंड बगीचा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को गैस कनेक्शन वितरित किए गए। इस अवसर पर लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। बगीचा की निवासी श्रीमती क्रांति यादव ने बताया कि अब उन्हें चूल्हे के धुएँ से होने वाली आंखों की जलन और सांस की परेशानी से छुटकारा मिल गया है, जिससे वे स्वच्छ वातावरण में भोजन बना पा रही हैं।

छग की बेटी शिवानी सोनी ने रचा इतिहास

- अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ खिलाड़ी 'इंटरनेशनल बुक ऑफरिकॉर्ड्स' से सम्मानित
- प्रदेश की प्रतिभा का विश्व स्तर पर बढ़ा गौरव
- मंत्री राजेश अग्रवाल ने की मुलाकात कर दी बधाई

रायपुर/ संवाददाता

अम्बिकापुर की प्रतिभाशाली गोल्फ खिलाड़ी शिवानी सोनी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला खिलाड़ी के रूप में शिवानी को 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा सम्मानित किया गया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उनसे भेंट कर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जब बेटियाँ अपनी मेहनत और प्रतिभा से सफलता के नए आयाम स्थापित करती हैं, तो पूरा समाज गर्व महसूस करता है। शिवानी सोनी की उपलब्धि न केवल युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभा का वैश्विक मंच पर सशक्त प्रमाण भी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर शिवानी सोनी ने भी मंत्री श्री अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना गर्व की बात है और वह आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने के लिए पूरी मेहनत करेंगी। शिवानी की इस उपलब्धि से अम्बिकापुर सहित पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है तथा यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

संस्कृतिक कार्यक्रम, स्टार्टअप,एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप की रही धूम

यूथ फेस्ट-2026: सौरभ द्विवेदी का मंत्र फिट रहें, पॉजिटिव सोचें,परिवार संग आगे बढ़ें.....

रायपुर/ संवाददाता

संस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य, स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप की रही धूमसंस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप की रही धूम जिले में आयोजित यूथ फेस्ट-2026 के अंतर्गत आज शाम एक विशेष प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें देश के वरिष्ठ पत्रकार सौरभ द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं, विशेषकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों पर केंद्रित रहते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया। गौरतलब है कि यूथ फेस्ट-2026 के तहत बीते दो दिनों 24-25 को जिले के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य प्रस्तुतियां, स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट से संबंधित वर्कशॉप, फूड स्टॉल्स, कला एवं संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनियां तथा युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाले अनेक कार्यक्रम शामिल रहे। अंतिम दिवस पर दायरा बैंड (जादू बस्तर) की प्रस्तुति ने आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिए और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि आज के बदलते दौर में निरंतर सीखना, स्वयं को अपडेट रखना और सकारात्मक सोच बनाए रखना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने विशेष रूप से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस समय में संतुलित जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। सौरभ द्विवेदी ने युवाओं से कहा कि वे बाहरी दुनिया की अनावश्यक आलोचनाओं और भ्रामक बातों से प्रभावित न हों, बल्कि अपने मन की सुनें और परिवार की सलाह को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि परिवार ही व्यक्ति का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, इसलिए अपने माता-पिता, बहनों और परिवारजनों की चिंता करना और उनका ख्याल रखना हर युवा का दायित्व है।

संपादकीय

उड़ान से पहले ही खतरा, फिर खोली हवाई सुरक्षा की परतें ?

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के डैने आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।देश में हवाई यात्रा को सुगम बनाने के लिए विमान सेवाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। मगर इसके साथ-साथ हाल के वर्षों में उड़ानों में सुरक्षा चूक और तकनीकी खराबी की घटनाएं भी चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। ऐसा लगता है कि अब तक हुए छोटे-बड़े हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया है।दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्या वजह है कि एक के बाद एक सुरक्षा चूक के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार के ठोस एवं कारगर प्रयास धरातल पर नजर नहीं आते हैं?इस तरह की घटनाओं में विभागीय कार्रवाई संबंधित कर्मियों को निलंबित करने और जांच प्रक्रिया शुरू करने की औपचारिकता तक ही सीमित रह जाती है। चूक किस वजह से हुई और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी शायद ही कभी सार्वजनिक हो पाती है।दरअसल, देश में विमान सेवाओं का विस्तार तो हो रहा है, लेकिन इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं हो पाया है। यह बात भी छिपी नहीं है कि विमानों की संख्या के मुकाबले पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और इंजीनियरों की व्यवस्था का अभाव बना हुआ है। इसके अलावा, सुरक्षा सावधानियों की अनदेखी और पुराने उपकरणों का इस्तेमाल भी हादसों का कारण बनता है।यह विचित्र है कि विमान संचालन के प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह की बारीकियों को अनिवार्य माना जाता है, हवाई पट्टी पर उसे लेकर भी लापरवाही बरती गई। इससे स्पष्ट है कि जब हवाई अड्डे पर ही यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है, तो हवा में सफर के दौरान किस तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।हर हादसे की तरह इस मामले में भी एक वायु यातायात नियंत्रक और दो पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है, लेकिन सवाल है कि महज इस तरह की कार्रवाई से सुरक्षा चूक का स्थायी हल निकल पाएगा? जाहिर है जब तक समस्या की जड़ में जाकर उसे खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाएगा।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

दोनों देशों के बीच हुए 15 करार

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी।

आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

वैश्विक परिदृश्य पर क्या असर पड़ेगा?

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेल, गैस...भारत का दिल देखो, मुसीबत में एक नहीं अनेक देशों को कर रहा मदद

(अभिनय आकाश)।

बात भूटान की हो, नेपाल की हो, श्रीलंका की हो, मॉरिसिस की हो, हर जगह भारत ने उनकी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने का काम किया है। पड़ोसी कई एक पड़ोसी मुल्क से हमारे पास उनकी तरफ से अनुरोध आया है कि हम उनको ऊर्जा सामग्री उनको उपलब्ध कराएं। कई एक देशों को भारत ऊर्जा सामग्री उपलब्ध करा रहा है। लेकिन इस दरमियान भारत की अपनी जरूरतें हैं उसको मद्देनजर रखते हुए और किस प्रकार की यहां पर उपलब्धि है उसको मद्देनजर रखते हुए किया जा रहा है। भारत ने बांग्लादेश को 22,000 मेट्रिक टन हाई स्पीड डीज़ल मार्च के महीने में मुहैया कराया था और साथ ही साथ इस महीने भी हमारे जो उनको ऊर्जा सामग्री और डीजल दी जाती है वह भी उनको दिया जा रहा है।

पूरी दुनिया के सामने ऊर्जा संकट है। यूरोप से लेकर अफ्रीका और अफ्रीका से लेकर एशियाई देश हर कोई ऊर्जा संकट के लिए परेशान है। वजह साफ है अमेरिका ईरान जंग के कारण स्टेट ऑफ हार्मोस बंद और फिर इससे पूरे दुनिया के ग्लोबल सप्लाई चेन पर असर। ऐसे में भारत के पड़ोसी देश मुसीबत में हैं तो क्या भारत इनका साथ छोड़ देगा? जवाब है नहीं। यही जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय से सामने आई है। बात भूटान की हो, नेपाल की हो, श्रीलंका की हो, मॉरिसिस की हो, हर जगह भारत ने उनकी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने का काम किया है। पड़ोसी कई एक पड़ोसी मुल्क से हमारे पास उनकी तरफ से अनुरोध आया है कि हम उनको ऊर्जा सामग्री उनको उपलब्ध कराएं। कई एक देशों को भारत ऊर्जा सामग्री उपलब्ध करा रहा है। लेकिन इस दरमियान भारत की अपनी जरूरतें हैं उसको मद्देनजर रखते हुए और किस प्रकार की यहां पर उपलब्धि है उसको मद्देनजर रखते हुए किया जा रहा है। भारत ने बांग्लादेश को 22,000 मेट्रिक टन हाई स्पीड डीज़ल मार्च के महीने में मुहैया कराया था और साथ ही साथ इस महीने भी हमारे जो उनको ऊर्जा सामग्री और डीजल दी जाती है वह भी उनको दिया जा रहा है। श्रीलंका के संदर्भ में आपको पता है कि 38,000 मेट्रिक टन के पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स भारत ने पिछले महीने उनको भेजा था। एक सप्ताह पहले हमारे विदेश मंत्री मॉरिशस के दौरे पर गए थे। उस दौरान दोनों देशों के बीच में बातचीत हुई इस मुद्दे पर और अभी हम लोग इस प्रक्रिया में हैं कि दोनों देशों के बीच में गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट के स्तर पर एक एग्रीमेंट को रूप फाइनल रूप देने की प्रयास कर रहे हैं ताकि मॉरिशस की जो ऊर्जा स्थिति है वह बेहतर हो और भारत उनको ऑयल और गैस प्रदान करें। जहां तक नेपाल का सवाल है, नेपाल और भारत के बीच जो पहले से चल रहे जो जो एग्रीमेंट हैं, एक तो एग्रीमेंट इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और नेपाल के बीच में है जिसके तहत हम उनको पेट्रोलियम पदार्थ उसको उनको उपलब्ध कराते हैं। और यह उनकी जरूरतों के मुताबिक उनको मुहैया कराया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बिना कोई इंटरप्शन के, बिना कोई बाधा के उनको दिया जा रहा है। उसी तरह भूटान के साथ भी हमारे दोनों देशों के बीच में एक समझ है, एक साझेदारी है। ऊर्जा पदार्थ को लेके उनको भी ऊर्जा हम मुहैया करा रहे हैं। जहां तक मालदीव और सेशल्स की बात है, उनसे भी कुछ हमारे पास अनुरोध आया है और अह उनसे उनसे हमारी लगातार इस मामले में बातचीत चल रही है। मैं साथ-साथ यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे पड़ोसी देशों की तरफ से उनके सरकार की तरफ से उन्होंने इस बात की सराहना की है कि हम लोग भारत की तरफ से उनको ऊर्जा सामग्री उनको इस दौरान जब पश्चिम एशिया में संघर्ष चल रहा है इस दरमियान उनको मुहैया कराया जा रहा है।

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी', इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चर्चाएं न हों यह संभव नहीं है।

(प्रो. संजय द्विवेदी)

समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास

हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयीं। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं। हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिंताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिंताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के सामने आज उपस्थिति हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

युवा फेस्ट जैसे आयोजन युवाओं के आत्मविश्वास नवाचार क्षमता को भी प्रोत्साहित करते हैं : टंकराम वर्मा

धमतरी। जिले के पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित दो दिवसीय युवा फेस्ट.2026 का समापन उत्साह, ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न हुआ। अंतिम दिवस का मुख्य आकर्षण दायरा बैंड जादू बस्तर की मनमोहक प्रस्तुति रही, जिसने लोक और आधुनिक संगीत के अद्भुत संगम से पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। छत्तीसगढ़ी लोकधुनों, जनजातीय लयों और समकालीन फ्यूजन की प्रस्तुति पर युवा ही नहीं, बल्कि सभी आयु वर्ग के दर्शक झूमते नजर आए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि युवा फेस्ट जैसे आयोजन युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ.साथ उनके आत्मविश्वास और नवाचार क्षमता को भी प्रोत्साहित करते हैं। आज के युवा ही विकसित भारत के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं के योगदान पर जोर दिया। मंत्री वर्मा ने सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम को महापौर नगर निगम रामू रोहरा ने भी संबोधित किया और युवाओं को अपनी प्रतिभा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेल एवं नवाचार से जुड़ी कुल 23 प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पीजी कॉलेज को रनिंग ट्रॉफी प्रदान की गई। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि युवा फेस्ट.2026 का उद्देश्य युवाओं को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराना है जहां वे अपनी बहुआयामी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि आयोजन के दौरान स्टार्टअप, स्किल डेवलपमेंट, आर्ट एवं क्राफ्ट तथा लोक संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा मिले और वे अपने कौशल का उपयोग समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग, महाविद्यालय प्रशासन एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे। समापन अवसर पर दायरा बैंड की ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। ताल, सुर और लोकधुनों के संगम ने ऐसा समां बांधा कि पूरा परिसर तालियों और उत्साह से गूंज उठा। इस प्रकार युवा फेस्ट.2026 का समापन यादगार और प्रेरणादायक रहा, जिसने जिले के युवाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

बदलाव : नक्सल प्रभाव वाले ईरागांव में डड़सेना कलार समाज का संभाग स्तरीय अधिवेशन बना एकता की मिसाल

केशकाल। केशकाल के सुदूर अंचल ग्राम इरागांव से एक सकारात्मक और बदलाव की तस्वीर सामने आई है। जो इलाका नक्सलियों का कोंडागांव जिले में प्रवेश द्वार माना जाता था, वहां अब पहली बार डड़सेना कलार समाज का बस्तर संभाग स्तरीय वार्षिक अधिवेशन हो रहा है। इस कार्यक्रम में बस्तर संभाग के 7 जिलों के सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बस्तर संभाग के 7 जिलों के सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं अतिथि के रूप में कोंडागांव विधायक लता उसेंडी और केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के संभागीय अध्यक्ष केदार जैन ने की। कार्यक्रम में समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के संबंध में चर्चा हुई। क्षेत्र में जनसेवा और सामाजिक विकास के लिए काम कर रहे लोगों को सम्मानित भी किया गया।

समाज के साथ मिलकर इरागांव का विकास करेंगे : टेकाम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि कुछ वर्षों पहले तक यह क्षेत्र नक्सल प्रभावित था, जहां भय का माहौल रहता था और विकास कार्य प्रभावित होते थे। ईरागांव को नक्सलियों का प्रवेश द्वार तक माना जाता था। उन्होंने कहा कि पहले शाम होते ही इस क्षेत्र को छोड़ने की सलाह दी जाती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं–वे स्वयं रात 8 बजे तक कार्यक्रम में मौजूद रहे और किसी प्रकार का डर नहीं था। यह बदलाव सरकार के प्रयासों और स्थानीय लोगों के सहयोग का परिणाम है।

कलार समाज का यह अधिवेशन एकता का प्रतीक है: लता उसेंडी

वहीं विधायक लता उसेंडी ने कहा कि कलार समाज हमेशा से शिक्षित और जागरूक रहा है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह का बड़ा आयोजन समाज की एकजुटता और बदलते सकारात्मक माहौल को दर्शाता है। दो दिवसीय इस अधिवेशन में सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और सहभागिता का माहौल बना रहा। ईरागांव में आयोजित यह कार्यक्रम न सिर्फ सामाजिक एकता का प्रतीक बना, बल्कि यह भी साबित करता है कि अब यह क्षेत्र भय से निकलकर विकास और विश्वास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य रूप से कलार संभाग के अध्यक्ष पुरुषोत्तम गजेंद्र, पदाधिकारीगण- डॉ. झाड़ूराम नवेंद्र, माधवलाल जैन, सुलेन्द्र नेगी, सोनिलाल जैन, देवकुमार जैन, भगवती गजेंद्र, तुलुराम सिन्हा, तरुण जैन, नीलकंठ शार्दुल, श्याम दीवान, रमेश सिन्हा, मोहन सिन्हा, कपिल नाग, घसिया सेठिया, सुखराम नरेटी, महेश नेगी समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

किरंदुल में हरि नाम संकीर्तन और भंडारा संपन्न

किरंदुल। बंगाली कैंप स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में बंगाली सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 24 घंटा आठम प्रहर हरिनाम संकीर्तन का रविवार को समापन हुआ। आयोजन के अंतिम दिन दोपहर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

इससे पहले सुबह 6 बजे 24 घंटे से चल रहे अखंड संकीर्तन की पूर्णाहुति हुई, जिसके बाद नगर संकीर्तन निकाला गया। समापन के अवसर पर आयोजित इस भंडारे में समिति के सदस्यों ने सुव्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरण किया।यह आयोजन पिछले 13 वर्षों से अनवरत जारी है। इस वर्ष भी पश्चिम बंगाल से आई 4 कीर्तन मंडलियों ने अपनी प्रस्तुति दी। शुक्रवार को अधिवास और शनिवार को अखंड कीर्तन के बाद रविवार रात लीला कीर्तन का आयोजन हुआ जिसमें भक्तिमय संगीत के साथ इस धार्मिक कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

वार्ड नंबर 03 में नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन, क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

किरंदुल। वार्ड नंबर 03 में किरन्दुल नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह द्वारा यादव घर से बड़ा नाला तक 100 मीटर नाली निर्माण कार्य हेतु विधिविधान एवं पूजा-अर्चना के साथ भूमि पूजन किया गया। इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य की शुरुआत होने से वार्डवासियों में हर्ष एवं उत्साह का माहौल देखा गया। लंबे समय से क्षेत्र के लोग इस समस्या से परेशान थे और लगातार नाली निर्माण की मांग कर रहे थे।बता दें कि वर्षा ऋतु के दौरान बंगाली कैंप, शैलेन्द्र नगर एवं आसपास के वार्डों का पानी आकर इसी क्षेत्र में जाम हो जाता था, जिससे सड़क पर जलभराव की स्थिति बन जाती थी।पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आमजन को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।कई बार घरों के सामने पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब इस नाली निर्माण कार्य से जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 03 में नाली निर्माण होने से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र का विकास भी तेजी से होगा। आने वाले समय में भी नगर के प्रत्येक वार्ड में जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

खाद्य पदार्थों एवं दवाइयों की गुणवत्ता परखने पखवाड़ेभर चलेगा सघन जांच अभियान

बलौदाबाजार। जिले के नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं औषधि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 27 अप्रैल से 11 मई तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किया जाएगा है। यह अभियान सही दवा शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार- थीम के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सघन जांच अभियान हेतु खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व तथा पुलिस की संयुक्त टीम गठित किया है। खाद्य पदार्थों एवं औषधि की जांच हेतु दो अलग -अलग टीम गठित है। इसके साथ ही मॉनिटरिंग के लिये अपर कलेक्टर निशा नेताम मड़ावी को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रजनी छड़ीमली को सहायक नोडल अधिकारी बनाया है।

सघन जांच अभियान के दौरान तहसीलवार प्रतिदिन दोनों जांच टीम जिलेभर में जांच की कार्यवाही करेगे। खाद पदार्थ जांच टीम के द्वारा चाट, गुपचुप सेंटर्स स्ट्रीटवेंडर्स, गन्नारस, साफ्ट ड्रिक्स, आईसक्रीम, जूस सेंटर्स,डेयरी प्रोडक्ट, दूध, दही, पनीर, लस्सी, छाछ आदि विक्रेता फर्म, स्वीट शॉप, स्वीट मैन्यूफैक्चरिंग प्रोसेसिंग यूनिट,होटल, रेस्टोरेंट,केक एवं अन्य बेकरी प्रोडक्ट, मिड-डे-मिल सेंटर्स, हॉस्पिटल केन्टीन, पैकेज ड्रिंकिंग वाटर,कन्फेक्शनरी प्रतिष्ठान,ढाबा,फ्रूट एवं सब्जी विक्रेता,पेप्सी, आईसकैंडी, आईसगोला विक्रेता प्रतिष्ठानों की जांच की जाएगी। इसके साथ ही औषधि जांच टीम के द्वारा मार्केट से फास्टमुविंग कॉस्मेटिक की जानकारी एवं कॉस्मेटिक एजेंसियों का निरीक्षण, थोक औषधि विक्रय परिसरों की जांच,खुदरा औषधि विकय परिसरों की जांच,ग्रामीण अंचलों में प्रसाधन सामग्री विकय परिसरों की जांच,कोल्डचेन एवं वैक्सीन स्टोरेज परिसर, अस्पतालों एवं अस्पतालों से जुड़े फार्मेसी,वैक्सीन एजेंसियों के वैक्सीन संधारण एवं कोल्ड चैन,शासकीय परिसरों में वैक्सीन संधारण एवं कोल्ड चैन, स्वापक औषधियों के थोक विक्रेताओं की जांच,सावर्जनिक स्थलों पर कोटपा अधिनियम के तहत कार्यवाही एवं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

शबरी नदी फिर 1.25 मैट्रिक टन लाल जहर से होगी लाल

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील के बेनिफिकेशन प्लांट से निकलने वाले लोह अयस्क के अपशिस्ट यानी टेलिंग्स को अब सुकमा जिला खनिज विभाग ने निजी उद्योगों के हितों को साधने के लिए सुकमा की पर्यावरण संरक्षण को भी दांव पर लगा दिया है ।उल्लेखनीय हैं कि सुकमा जिला मुख्यालय के भीतर की निजी भूमि पर जिला खनिज विभाग ने आर्सेलर मित्तल की लाल मिट्टी को डंप करने की अनुमति दे दी है ।हैरानी की बात यह है कि एनजीटी के कड़े नियमों को एक साइड रखते हुए नगर के बीचोबीच 1.25 लाख मेट्रिक टन मिट्टी के जहरीले जहर को गड्ढों में भरने की तैयारी जोर शोर से की जा रही है । विदित हो कि सुकमा नगर से महज कुछ ही दूरी पर सुकमा जिले की प्राणदायिनी नदी शबरी बहती है । साथ ही साथ गौरतलब बात यह भी होगी कि किरंदुल से लेकर सुकमा तक आर्सेलर मित्तल कंपनी से निकलने वाली लाल जहर की मिट्टी को परिवहन करने वाली बड़ी बड़ी वाहनों के द्वारा ना जाने कितनी सड़को को बर्बाद किया जाएगा साथ ही गर्मी के दिनों में वाहनों के टायरों से उड़ने वाली धूल से बीमारी पड़ने वाले ना जाने कितने राहगीरों को अस्पताल में लाइन लगा कर डॉक्टरों का इंतजार करना होगा ।

जगदलपुर की रीता जोशी को पीएच.डी. की उपाधि महिला स्व-सहायता समूहों पर किया शोध

जगदलपुर। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने दी उपाधि, बस्तर व जांजगीर-चांपा जिले पर आधारित रहा शोध कार्य जगदलपुर। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, कोटा (बिलासपुर, छत्तीसगढ़) द्वारा शोधार्थी रीता जोशी (पाणिग्राही) को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी पीएच.डी. अधिसूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया, विनियम 2016 के तहत शोधार्थी के शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया। परीक्षकों की रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा के प्रतिवेदन पर विचार करने के उपरांत विश्वविद्यालय ने उनके शोध कार्य को स्वीकृति प्रदान की। रीता जोशी ने अपना शोध कार्य ग्रामीण प्रौद्योगिकी संकाय के अंतर्गत पूर्ण किया। उनका शोध विषय बस्तर एवं जांजगीर-चांपा जिले की महिला स्व-सहायता समूहों की उद्यमशील क्षमताओं का तुलनात्मक अध्ययन (छत्तीसगढ़) रहा। इस शोध कार्य का मार्गदर्शन डॉ. कमल कुमार सेन द्वारा किया गया। इस उपलब्धि पर उनके परिजनों, मार्गदर्शक एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सोलर पैनल अपनाकर देवश्री साहू बनीं आत्मनिर्भर, बिजली बिल से मिली पूर्ण मुक्ति

बलौदाबाजार। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से न केवल बिजली बिल से राहत मिल रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी भागीदारी का अवसर दे रहा है। सोलर पैनल अपनाकर लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। शिक्षिका देवश्री साहु ने भी योजना के तहत अपने मकान के छत पर सोलर पैनल लगवाया जिससे अब मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है।

ग्राम खैरघटा निवासी और पेशे से शिक्षिका देवश्री साहू

ने बताया कि सोलर पैनल लगाने की प्रेरणा उन्हें अपने भाई के घर से मिली, जहाँ उन्होंने पहली बार इस तकनीक को देखा और इसके फायदों के बारे में विस्तार से समझा। शासन की इस लोक-कल्याणकारी योजना से प्रभावित होकर उन्होंने जून 2025 में अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित करवाया। सोलर पैनल लगने के बाद देवश्री के घर की बिजली व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि पहले जिस बिजली बिल के भुगतान की चिंता बनी रहती थी, वह अब लगभग शून्य हो गया है। साथ ही इसे लगाने पर केंद्र और राज्य सरकार से सब्सिडी भी मिली है। एक शिक्षिका होने के नाते वे समाज में जागरूकता के महत्व को समझती हैं और अब वे अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।आज क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। देवश्री ने अपनी इस आर्थिक बचत और सहूलियत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उनका मानना है कि यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण में मददगार है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और उन्हें बिजली के खर्चों से मुक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का क्रियान्वयन जिस तेजी से हो रहा है, उसका सीधा लाभ देवश्री जैसे मध्यमवर्गीय परिवारों को मिल रहा है।

धर्मपुर कैंप की 11 गरीब महिलाएं दो साल से महतारी वंदन योजना के लाभ से वंचित, फॉर्म गुम होने का आरोप

किरंदुल। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता पाने वाली 11 महिलाओं ने मुख्य अधिकारी, जन शिकायत विभाग को पत्र लिखकर अपनी व्यथा व्यक्त की है। इन महिलाओं का आरोप है कि उन्होंने दो साल पहले वार्ड क्रमांक 4, धर्मपुर कैंप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सभी दस्तावेजों के साथ फॉर्म जमा किया था, लेकिन फ ॉर्म कहीं गुम हो गया। न तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और न ही नगर पालिका के पास इसका कोई जवाब है, जिसके कारण वे योजना के लाभ से पूरी तरह वंचित हैं। ये सभी महिलाएं गरीबी रेखा के अंतर्गत आती हैं और योजना का लाभ मिलने से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में काफ ी सुधार हो सकता था। महिलाओं ने छत्तीसगढ़ सरकार से अपील की है कि उनके मामले में तत्काल संज्ञान लिया जाए और कोई समाधान निकाला जाए ताकि उन्हें योजना का हक मिल सके। शिकायतकर्ता महिलाओं के नाम है, सुलता साहू,रेणुका साहू,जानकी, लक्ष्मी साहू, शारदा अनिला, मोनिका साहू, गणेश्वरी ठाकुर, शोभा, कुंती साहू, चंद्रिका ठाकुर, शांति ठाकुर है। शिकायतकर्ता महिलाओं ने अपने पत्र में मुख्य अधिकारी महोदय से निवेदन किया है कि, गुम हुए फॉर्म की जांच कराई जाए। उनके आवेदनों को दुबारा स्वीकार कर तुरंत प्रक्रिया पूरी की जाए। यदि आवश्यक हो तो विशेष शिविर लगाकर या वैकल्पिक व्यवस्था से उन्हें योजना का लाभ दिलाया जाए। महिलाओं ने लिखा है, हम सभी गरीबी रेखा के अंतर्गत आते हैं। दो वर्ष से हम इस योजना से वंचित है। कृपया ऐसा समाधान निकाला जाए कि हमें इस योजना का लाभ मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

सुशासन तिहार 2026: नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन 1 मई से 6 जून के मध्य

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरुप आमजनों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रदेश में 1 मई से 10 जून के मध्य सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जीपीएम जिले में तीनो नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे कलस्टरवार 1 मई से 6 जून के मध्य 13 शिविर आयोजित किए जाऐंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड एवं मरवाही और मुख्य कार्यपालन तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पत्र जारी कर निर्धारित तिथि में शिविर आयोजित करने और शिविरों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। जनसमस्या निवारण शिविरों के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 मई शुक्रवार को जनपद पंचायत मरवाही के मिनी स्टेडियम ग्राम पंचायत भवन के पास सेमरदर्री में शिविर आयोजित किया जाएगा। इस कलस्टर मुख्यालय में ग्राम पंचायत अमेराटिकरा, सचराटोला, बंशीताल, बरगंवा, भरीडांड, गुल्लीडांड, करगीकला, मड़ई, मगुरदा, मटियाडांड, नाका, पर्थरा, रूमगा, साल्हेकोटा, सेखवा, पीपरडोर, सेमरदर्री एवं सिलपहरी पंचायत शामिल किए गए हैं। 6 मई बुधवार को जनपद पंचायत पेण्ड्रा के पंचायत भवन प्रांगण देवरीकला में आयोजित शिविर में दमदम, गोंढ़ा, तिलोरा, देवरीकला, कोटमीकला, सकोला, कंचनडीह, भाड़ी विशेषरा, पिपलामार, कुदरी, देवरीखुर्द, पीथमपुर एवं अमारू पंचायत शामिल किए गए हैं। 8 मई शुक्रवार को जनपद पंचायत गौरेला के मिडिल स्कूल मैदान ग्राम पंचायत बस्ती में आयोजित शिविर में बस्ती, बगरा, टीकरखुर्द, पूटा, लगना, कोटमीखुर्द, करगीखुर्द, उमरखोही, डुगरा एवं बेलपत पंचायत शामिल किए गए हैं। 13 मई बुधवार को जनपद पंचायत मरवाही के मिडिल स्कूल परिसर ग्राम पंचायत उषाड़ में आयोजित शिविर में बगरार, बरौर, बेलझिरिया, चनाडोंगरी, चंगेरी, चिचगोहना, धनौरा, धुम्माटोला, कछार, कटरा, मनौरा, परासी, तेन्दुमुड़ा, टिकठी, पोंडी, करहनी एवं उषाड़ पंचायत शामिल किए गए हैं। 15 मई शुक्रवार को जनपद पंचायत पेण्ड्रा के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण नवागांव में आयोजित शिविर में अमरपुर, अड़भार, सेंवरा, कुड़कई, पतगवां, बंधी, बचरवार, गिरारी, लटकोनी, पनकोटा, नवागांव, झाबर, बारीमउमराव एवं टोंगियामार पंचायत शामिल किए गए हैं। 20 मई बुधवार को जनपद पंचायत गौरेला के शासकीय हाई स्कूल नेवसा में आयोजित शिविर में लालपुर, गिरवर, दौजरा, हर्राटोला, साल्हेघोरी, डाहौबहरा, पंडरीपानी, अँधियारखोह, हर्री, गांगपुर, धनौली, गोरखपुर, झगराखांड, कोरजा, अंजनी, तेंदूमुड़ा, चुकतीपानी, नेवसा, सारबहरा एवं सेमरा पंचायत शामिल किए गए हैं। 22 मई शुक्रवार को जनपद पंचायत मरवाही के शासकीय हाई स्कूल मेढुका के पास ग्राम पंचायत खंता में आयोजित शिविर में बगड़ी, बंधौरी, बरवासन, भस्कुरा, दर्री, धनपुर, डोंगरिया, गुदुमदेवरी, गुम्माटोला, खंता, कोटखर्रा, लटकोनीखुर्द, महोरा, मझगंवा, मसुरीखार, मेंदुका, पड़खुरी एवं पिपरिया पंचायत शामिल किए गए हैं। 25 मई सोमवार को जनपद पंचायत पेण्ड्रा के मिडिल स्कूल के पास बम्हनी में आयोजित शिविर में कोडगार, घाटबहरा, बम्हनी, जिल्दा, खरडी, मुरमुर, घघरा, अमाडांड, जाटादेवरी, बसंतपुर, सोनबचरवार, लाटा एवं जमड़ीखुर्द पंचायत शामिल किए गए हैं। 28 मई गुरुवार को जनपद पंचायत गौरेला के प्राथमिक शाला आमाडोब में आयोजित शिविर में खोडरी, बढ़ावनडांड, ठेंगाडांड, गौरखेडा, पीपरखुंटी, केंवची, आमाडोब, देवरगांव, पडवनिया, ठाडपथरा, तरईगांव, पकरिया, भदोरा, ललाती, धनगवा, पतरकोनी, जोगीसार, सधवानी, बनझोरका एवं नेवरीनवापारा पंचायत शामिल किए गए हैं। सुशासन तिहार के अंतर्गत 29 मई शुक्रवार को नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के असेंबली हॉल पेण्ड्रा में शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में सम्पूर्ण नगरीय क्षेत्र पेण्ड्रा शामिल किया गया है। 3 जून बुधवार को जनपद पंचायत मरवाही के सड़कटोला ग्राम भुसरिया ग्राम पंचायत चर्चेड़ी में आयोजित शिविर में बदरौडी, मालाडांड, चर्चेडी, दरमोहली, धरहर, धोबहर, करसिंवा, मड़वाही, नरौर, निमधा, रटगा, खुरपा, पथर्री, पण्डरी, नगवाही, लरकेनी, अण्डी एवं सिवनी पंचायत शामिल किए गए हैं। इसी तरह 5 जून शुक्रवार को नगर पालिका परिषद गौरेला के सामुदायिक भवन मरहीमाता मंदिर के पास और 8 जून सोमवार को नगर पंचायत मरवाही के सेमीनार हॉल मरवाही में शिविर आयोजित किया गया है। इन शिविरों में संबंधित निकाय के संपूर्ण क्षेत्र शामिल किए गए हैं।

पुटुवा गांव में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, पुल निर्माण की मांग वर्षों से लंबित

कोरबा। जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में विकास के दावे आज भी जमीनी हकीकत से दूर नजर आ रहे हैं। यहां कई ऐसे गांव हैं जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। खासकर पुल निर्माण की मांग वर्षों से लंबित है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ये मामला है पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के पुटुवा ग्राम का। जहां धवाई टिकरा और डुगुपारा को जोडने वाला एकमात्र पुल आज तक नहीं बन सका है। यह स्थिति तब है जबकि स्वाधीनता का अमृतकाल जोर-शोर से मनाया जा रहा है। बरसात के दिनों में इस नाले में तेज बहाव और बाढ़ की स्थिति बन जाती ह।

डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस का भव्य आयोजन

बिलासपुर। वश्व पृथ्वी दिवस का भव्य आयोजन डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग, रमन सेंटर फॉर साइंस कम्युनिकेशन, इको क्लब तथा आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. रश्मि वर्मा, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा संयुक्त राष्ट्र 2026 की थीम Our Power, Our Planet (हमारी शक्ति, हमारा ग्रह) को संक्षेप में समझाते हुए वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पर बल दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. पी. के. घोष, कुलपति, ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनने और सतत विकास के लक्ष्यों को अपनाने का संदेश दिया। डॉ. जयति मिता, प्रो-वाइस चांसलर, ने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की नींव है तथा छात्रों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। डॉ. अरविंद तिवारी, कुलसचिव, ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर हरित पहल (Green Initiatives) को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण जागरूकता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया। इसके पश्चात डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, डीन, विज्ञान संकाय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण तभी संभव है जब व्यक्ति और संस्थान दोनों स्तर पर जमीनी कार्यवाही की जाए और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। डॉ. अमित शर्मा, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग ने पृथ्वी प्रदूषण पर एक प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण की बढ़ती समस्या तथा उसके जैव विविधता और मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की ज्ञानवृद्धि हेतु एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा उनकी रचनात्मकता एवं जागरूकता को बढ़ाने के लिए एक स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई, जिसमें उन्होंने संयुक्त राष्ट्र पृथ्वी दिवस 2026 की थीम Our Power, Our Planet के अनुरूप सतत जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण करने और पृथ्वी को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अभिषेक शर्मा द्वारा किया गया, जिससे पूरे कार्यक्रम में सुव्यवस्थित समन्वय एवं छात्र सहभागिता बनी रही। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. मिलन हाइट, डॉ. राकेश कुमार यादव, डॉ. दीपक सोनी एवं डॉ. ममता साहू, साथ ही श्री जे. पी. साहू एवं टीकम सी. नवरंग ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन छात्रों एवं शिक्षकों की उत्साही भागीदारी के साथ सफलतापूर्वक हुआ, जिसने पर्यावरण जागरूकता एवं सतत विकास के महत्व का सशक्त संदेश दिया।

भारत स्काउट एंड गाइड द्वारा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर जल वितरण सेवा का शुभारंभ.....

बिलासपुर। ग्रीष्म ऋतु की भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत प्रदान करने एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के भारत स्काउट एंड गाइड द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2026 को बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर जल वितरण सेवा का शुभारंभ किया गया। सीनियर डीसीएम एवं जिला आयुक्त स्काउट श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में यात्रियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल वितरण की उपलब्ध कराई गई इस सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जिसमें जिला आयुक्त रोवर श्री यू. एस. एस. राव की उपस्थिति रही। इस सेवा अभियान में स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनुशासन, समर्पण एवं सेवा भाव का उत्कृष्ट परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दिलीप कुमार स्वाईं, जिला सचिव श्री संजय मेश्राम तथा सहायक जिला संगठन आयुक्त श्री जी. लोकेश राव के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सीनियर डीसीएम श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सहयोग एवं मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। यह सेवा ग्रीष्म काल तक जारी रहेगी जिससे यात्रियों को शीतल पेयजल की सुविधा प्राप्त होती रहेगी।

रेलवे स्टेशन बिलासपुर में यात्रियों को गर्मी से राहत हेतु सराहनीय पहल

बिलासपुर। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं राहत के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 25 अप्रैल 2026 को बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 एवं 3 पर यात्रियों को गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु विशेष पहल की गई। वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों, वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम तथा स्काउट एवं गाइड के बच्चों द्वारा यात्रियों को शरबत एवं ठंडा पेयजल वितरित किया गया। इस दौरान यात्रियों ने इस पहल की विशेष सराहना की। यह सेवा कार्य वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रकार की मानवीय एवं जनसेवा आधारित पहल रेलवे की यात्री सुविधा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रेलवे प्रशासन द्वारा भविष्य में भी यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

कट्टा लेकर दोस्त की पत्नी को धमकाने वाला आरोपी जेल दाखिल किया

कोरबा। पुलिस सहायता केंद्र जटगा, थाना कटघोरा क्षेत्रांतर्गत एक आरोपी के विरुद्ध गंभीर अपराध दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। प्रार्थिया द्वारा आवेदन दे कर आरोपी राकेश दुबे पिता स्वर्गीय देवी शरण, 43 साल निवासी हुसैन, थाना मुस्करा, जिला हमीरपुर (उत्तर प्रदेश) हाल मुकाम बांधापारा, जटगा,थाना- कटघोरा के विरुद्ध गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी एवं मारपीट किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन में तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान आरोपी को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसमें उसके द्वारा अपराध स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा एवं 5 नग जिंदा कारतूस बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी लगभग 20 वर्ष से जटगा का निवासी है और यहीं पर उसने स्थानीय युवती से विवाह भी किया है। उक्त मामले में प्रार्थी महिला के पति से उसकी पुरानी दोस्ती है। पति-पत्नी में किसी बात को लेकर अनबन हो गई और बातचीत बंद होने की जानकारी पति के द्वारा अपने मित्र आरोपी राकेश दुबे को बातों ही बातों में दी गई थी। इस बात को लेकर राकेश दुबे थोड़ा आवेश में आ गया और दोस्त की पत्नी को सबक सिखाने के लिए उसे धमकाने कट्टा लेकर दोस्त के घर जा धमका और घटनाक्रम को अंजाम दिया। अब उसे इस तरह से दोस्ती निभाना महंगा पड़ गया और सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

पेण्ड्रा के आजाद चौंक में मिली माचिस की डिब्बी के बराबर प्राचीन पॉकेट कुरान की पांडुलिपि.....

ज्ञानभारतम एप से किया गया डिजिटल संरक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी के मार्गदर्शन में ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के तहत जिले में संचालित व्यापक सर्वेक्षण के दौरान आज पेण्ड्रा के आजाद चौंक निवासी श्री शरद अग्रवाल के घर में माचिस की डिब्बी के बराबर प्राचीन पॉकेट कुरान की पांडुलिपि मिली, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रुप में सामने आई है। सर्वेक्षण कर्ता श्री निकेश साहू एवं उनकी टीम द्वारा इसका डिजिटल संरक्षण ज्ञानभारतम एप के माध्यम से किया गया। जिले में प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वेक्षण कार्य के जिला नोडल डॉ राहुल गौतम ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 10 प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उनका डिजिटलीकरण पूर्ण किया गया। पॉकेट कुरान के स्वामित्व का अधिकार रखने वाले श्री शरद अग्रवाल ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस तरह की छोटी कुरान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसके कवर पर अरबी में कुरान मजीद लिखा है। यह पूरी कुरान का एक बहुत ही छोटा संस्करण है। ऐसी नन्ही कुरान 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में काफी लोकप्रिय हुई थीं। उस समय की नई तकनीक (जैसे लिथोग्राफी) के आने से इतने छोटे अक्षरों को लिखना संभव हो गया था। सफर के लिए लोग इसे आसानी से अपनी जेब या छोटे बैग में रखकर सफर के दौरान हिफाजत के लिए साथ रखते थे। कई लोग इसे सौभाग्य या बरकत के लिए अपने पास रखते हैं या इसे ताबीज के रूप में इस्तेमाल करते हैं। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, मुस्लिम सैनिकों को अक्सर ऐसी छोटी कुरान दी जाती थी ताकि वे उन्हें अपने साथ रख सकें। इसकी अक्षर इतनी बारीक होती है कि इसे पढ़ने के लिए अक्सर आवर्धक लेंस की जरूरत पड़ती है। चूंकि यह कुरान का ही स्वरूप है, इसलिए इसकी पवित्रता का ध्यान रखना जरूरी है।

भारत सरकार के मिशन कर्मयोगी-साधना सप्ताह में एसईसीएल को राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 10 में स्थान

■ सीएमडी श्री हरीश दुहन को क्षमता निर्माण आयोग द्वारा प्रशंसा-पत्र प्राप्त

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL), कोल इंडिया लिमिटेड की प्रमुख सहायक कंपनी, को मिशन कर्मयोगी ड्ड साधना सप्ताह 2026 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश के टॉप 10 परफॉर्मिंग संगठनों में स्थान प्राप्त हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग (Capacity Building Commission) द्वारा स्श्रष्टरु के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (CMD) श्री हरीश दुहन को प्रशंसा-पत्र प्रेषित किया गया है। प्रशंसा-पत्र में स्श्रष्टरु की सक्रिय सहभागिता, कोर्स पूर्णता में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की गई है । प्रशंसा-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि साधना सप्ताह (2-10 अप्रैल 2026) के दौरान SECL की प्रभावी भागीदारी तथा iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर व्यापक जुड़ाव, संगठन में निरंतर सीखने की संस्कृति एवं क्षमता निर्माण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। iGOT (Integrated Government Online Training) कर्मयोगी भारत सरकार का एक डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जिसे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को सतत् सीखने, कौशल उन्नयन एवं क्षमता निर्माण के लिए एकीकृत मंच प्रदान करना है। इसी दिशा में SECL द्वारा iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, सतत एवं धारणीय विकास तथा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) से संबंधित विषय प्रमुख हैं, जो कर्मचारियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बना रहे हैं। इस अवसर पर SECL के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने कहा: यह सम्मान पूरे SECL परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह हमारे कर्मयोगियों की प्रतिबद्धता, सीखने की ललक एवं उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को दर्शाता है। हम आगे भी क्षमता निर्माण, डिजिटल लर्निंग एवं सतत विकास के क्षेत्र में अपने प्रयासों को और सशक्त करते रहेंगे। SECL की यह उपलब्धि कोल इंडिया लिमिटेड के उस व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत एक जिम्मेदार, दक्ष एवं भविष्य उन्मुख संगठन के रूप में देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ बेहतर सार्वजनिक सेवा सुनिश्चित करने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑपरेशन तलाश के तहत दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले में महिला संबंधी अपराधों पर सख्त कार्रवाई करते हुए रायगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन तलाश के तहत दुष्कर्म के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी भोजराम यादव को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मामला 31 मार्च 2026 को दर्ज किया गया था, जब सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की एक महिला ने थाना कोतवाली में लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि जनवरी 2026 में उसकी पहचान ग्राम बरदुला निवासी भोजराम यादव से हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। पीड़िता के अनुसार 16 जनवरी को आरोपी उसे जन्मदिन के बहाने रायगढ़ लेकर आया, जहां उसने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी ने उसे काशीराम चौक बायपास रोड स्थित किराए के मकान में करीब 20 दिनों तक रखा और शादी का झांसा देकर लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। बाद में 24 मार्च को आरोपी ने महिला को उसके गांव वापस ले जाकर शादी से इनकार कर दिया और उसके साथ मारपीट करते हुए धमकी देकर छोड़ दिया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। यह दिन भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। इस बार अप्रैल माह का अंतिम प्रदोष व्रत भौम प्रदोष के रूप में मनाया जाएगा। मंगलवार को आने वाले प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष कहते हैं, जो न केवल शिव जी बल्कि हनुमान जी का आशीर्वाद पाने और मंगल दोष से मुक्ति के लिए भी बहुत ही लाभकारी है।

वैशाख भौम प्रदोष व्रत 2026

त्रयोदशी तिथि प्रारंभ : 28 अप्रैल 2026, शाम 06 :51 बजे

त्रयोदशी तिथि समाप्त : 29 अप्रैल 2026, शाम 07 :51 बजे

उदयातिथि और प्रदोष काल, चूंकि प्रदोष व्रत की पूजा सूर्यास्त के समय की जाती है, इसलिए यह व्रत 28 अप्रैल 2026, मंगलवार को रखा जाएगा।

मंगल दोष के निवारण हेतु

जिन जातकों की कुंडली में मंगल भारी है, उन्हें इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। महादेव को लाल मसूर की दाल अर्पित करने से भी मंगल के अशुभ प्रभाव कम होते हैं।

स्वास्थ्य लाभ के लिए

बीमारियों से मुक्ति के लिए इस दिन शिवलिंग पर दूध में मिश्री और काले तिल मिलाकर अभिषेक करें। महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार जाप करना बहुत ही फलदायी होता है।

कर्ज मुक्ति के लिए उपाय

मंगलवार का प्रदोष होने के कारण इस दिन ऋणमोचक मंगल स्तोत्र का पाठ करना चमत्कारिक फल देता है। शाम के समय शिवलिंग पर शहद की धारा अर्पित करें और 'ॐ ऋणमुक्तेश्वर महादेवाय नमः' मंत्र का जाप करें।

प्रदोष काल का महत्व

शास्त्रों के अनुसार, सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद का समय प्रदोष काल कहलाता है। माना जाता है कि इस समय भगवान शिव कैलाश पर्वत पर प्रसन्न मुद्रा में नृत्य करते हैं और अपने भक्तों की पुकार सबसे जल्दी सुनते हैं।

मनोकामना पूर्ति के लिए

शिवलिंग पर 21 बेलपत्र अर्पित करें। मान्यता है कि प्रदोष काल में शिव मंदिर में दीपदान करने से जीवन के सभी अंधकार दूर होते हैं और अटके हुए कार्य पूरे होने लगते हैं।

परशुराम द्वादशी पर भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना

परशुराम द्वादशी भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम को समर्पित माना जाता है। इस दिन भक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना करते हैं और उनके निमित्त व्रत भी रखते हैं। मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। भगवान परशुराम का जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ था, लेकिन उन्होंने अधर्म और अन्याय के खिलाफ शस्त्र उठाकर धर्म की रक्षा की। इसलिए उन्हें धर्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय माना जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि धर्म की रक्षा के लिए सही समय पर साहस और शक्ति दोनों आवश्यक होते हैं। परशुराम जयंती के अवसर पर भक्त भगवान विष्णु के इस अवतार का स्मरण करते हैं और उनकी पूजा कर जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति की कामना करते हैं।

परशुराम द्वादशी कब है?

वर्ष 2026 में परशुराम द्वादशी 28 अप्रैल, मंगलवार को वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर मनाई जाएगी। द्वादशी तिथि 27 अप्रैल 2026 को शाम 06 बजकर 15 मिनट पर प्रारंभ होगी। द्वादशी तिथि का समापन 28 अप्रैल 2026 को शाम 06 बजकर 51 मिनट पर होगा। 29 अप्रैल को द्वादशी पारण समय सुबह 05 बजकर 24 मिनट से सुबह 08 :00 बजे तक रहेगा। बता दें कि पारण के दिन द्वादशी सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगी।

परशुराम द्वादशी का महत्व

परशुराम द्वादशी का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के मानसिक, आध्यात्मिक और नैतिक विकास से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह दिन हमें यह सिखाता है कि शक्ति और ज्ञान का उपयोग केवल अपने स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए। भगवान परशुराम का जीवन यह दर्शाता है कि कठोरता और करुणा दोनों का संतुलन आवश्यक है। यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है जो संतान सुख की कामना करते हैं। मान्यता है कि जो दंपत्ति विधि-विधान से इस व्रत को करते हैं, उन्हें वीर, बुद्धिमान और गुणवान संतान की प्राप्ति होती है। साथ ही, इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति को जीवन में वैभव, सुख-संपत्ति और अंततः मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गर्मियों में घर सजाने के यूनिक तरीके

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर दिखने में फ्रेश और सुंदर रहे, लेकिन, हर बार नई चीजें खरीदना और बड़े बजट में घर सजाना संभव नहीं होता। इसलिए, आज हम आपको कुछ ऐसे खास और सस्ते तरीके बताएंगे जिससे आप अपने घर को बहुत ही कम खर्च में खूबसूरत बना सकते हैं। ये तरीके न सिर्फ आसान हैं, बल्कि इनसे आपके घर में एक नई रौनक भी आएगी। चलिए जानते हैं कि आप किस तरह से अपने घर को गर्मियों में सजा सकते हैं.

पुरानी चीजों का इस्तेमाल

अपने पुराने जार, बोतल और फोटो फ्रेम को नए रंग से पेंट करें। फिर इन्हें घर में अलग-अलग जगहों पर सजा कर रखें। इस सिंपल से तरीके से आपका घर खूबसूरत और नया लगेगा। यह तरीका बहुत ही सस्ता और आसान है और घर को बहुत ही सुंदर बना देता है।

दीवार पर पेंटिंग

अपने घर की दीवारों पर खुद से पेंटिंग करें। आप फूल, पत्तियां या कोई सिंपल डिजाइन बना सकते हैं। यह काम बहुत ही आसान है और इससे आपके घर की दीवारें और भी सुंदर दिखने लगेंगी। इस सस्ते तरीके से आप अपने घर को नया और खूबसूरत बना सकते हैं।

लाइट्स बदलें

अपने घर में छोटी और हल्की लाइट्स लगाएं और इन्हें घर के हर कोने में रखें। ये सिंपल लाइट्स घर में एक खूबसूरत माहौल बनाती हैं। यह तरीका न सिर्फ आसान है बल्कि बहुत ही सस्ता भी है और इससे आपका घर और भी ज्यादा सुंदर दिखेगा।

पौधे लगाएं

अपने घर में कुछ छोटे पौधे लगाएं। ये पौधे न केवल घर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि वे हवा को भी साफ करते हैं। यह बहुत ही सस्ता और आसान तरीका है अपने घर को खूबसूरत और ताजगी से भरा रखने का। पौधे लगाने से घर में एक अच्छा माहौल बनता है।

लाइट कलर का इस्तेमाल

गर्मियों में अपने घर को सुंदर और ठंडा रखने के लिए हल्के रंग के पर्दे और कपड़े इस्तेमाल करें। ये कपड़े सूरज की तेज रोशनी को कम करते हैं और घर को ठंडा रखते हैं, जिससे आपका घर खूबसूरत और आरामदायक रहता है।

डेंगू और वायरल फीवर के शुरुआती लक्षण

हमारे देश में डेंगू और वायरल फीवर जैसी बीमारियां आम हैं। वायरल फीवर साल में किसी भी मौसम में हो सकता है,लेकिन डेंगू मानसून खासकर जून से लेकर सितंबर तक ज्यादा होता है। हालांकि, बारिश, कम तापमान और मच्छर वाली जगहों पर ये बीमारी कभी भी हो सकती है। दोनों के लक्षण काफी मिलते-जुलते हैं। जिससे बीमारी का अंतर सही समय पर पता नहीं चल पाता है और बाद में स्थिति गंभीर होने का खतरा रहता है। ऐसे में आइए जानते हैं डेंगू और वायरल फीवर में क्या अंतर है...

डेंगू और वायरल फीवर में अंतर

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इन दोनों ही बीमारियों में अंतर बता पाना थोड़ा मुश्किल है। शुरुआत में दोनों के लक्षण काफी मिलते-जुलते हैं। ऐसे में इन्हें समझ पाना आसान नहीं होता है। दोनों ही बीमारियों में तेज बुखार होता है। इसके अलावा सिरदर्द, बदन दर्द, खांसी, गले में खराश, थकान और मतली हो सकती है। अगर डेंगू है तो ये लक्षण काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं या शरीर पर कुछ निशान दिख सकते हैं।

डेंगू या वायरल फीवर..... कौन ज्यादा खतरनाक?

हेल्थ एक्सपर्ट्स डेंगू को ज्यादा खतरनाक मानते हैं। चूंकि डेंगू में जोड़ों और मांसपेशियों दर्द बहुत ज्यादा होता है, इसलिए इसे ब्रेकबोन फीवर भी कहा जाता है। इसमें आंखों के पीछे दर्द होता है, हल्का खून भी नाक या मसूड़ों से आ सकता है। इसमें शरीर पर आसानी से किसी चोट के निशान बन जाते हैं, लाल चकते और छोटे-छोटे लाल धब्बे भी शरीर पर जगह-जगह निकल सकते हैं। इसलिए डेंगू को लेकर ज्यादा सतर्क रहना चाहिए।

डेंगू होने पर क्या करना चाहिए

1. बच्चों में डेंगू होने पर उन्हें तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए, क्योंकि उनका शुरुआती इलाज थोड़ा अलग होता है।
2. बुखार कितना है, उल्टी या दस्त हो रही है या शरीर में पानी की कमी हो रही है तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।
3. शरीर में पानी की कमी दूर करने के लिए पर्याप्त मात्रा में लिक्विड लेते रहें। पानी, नारियल पानी, ओआरएस घोल, इलेक्ट्रोलाइट घोल, फ्रूट जूस ले सकते हैं।
4. डेंगू मच्छरों से फैलने वाली बीमारी है, इसलिए मच्छरों से बचाव करें। मच्छरदानी लगाएं, कॉइल का यूज करें।
5. खानपान का विशेष ख्याल रखें। खाने में दाल, सूप, सब्जियां और फल शामिल कर जल्दी ठीक हो सकते हैं।

गर्मियों में सेहत पर भारी पड़ सकती हैं ये 5 गलतियां

गर्मी के दिनों में लू और तपते सूरज से बचने के लिए लोग कई तौर-तरीके अपनाते हैं, लेकिन खानपान और लाइफस्टाइल को लेकर बरती जाने वाली लापरवाही से अक्सर खुद को मुसीबत में ला खड़ा करते हैं। बता दें, सिर्फ सोशल मीडिया पर वायरल हो जाने भर से सेहत से जुड़ी कोई बात फॉलो करना शुरू नहीं कर देना चाहिए। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं रोजाना की 5 ऐसी आदतें, जो इस मौसम में सेहत पर भारी पड़ सकती हैं।

ज्यादा डाइटिंग

गर्मियों में अगर आप भी ज्यादा देर भूखे रहने की गलती कर रहे हैं, या डाइटिंग करते वक्त खानपान को लेकर लापरवाही कर रहे हैं, तो बता दें, कि ये सेहत पर भारी पड़ सकता है। इससे आपको शारीरिक कमजोरी तो होगी ही, साथ ही स्किन और बालों की हेल्थ को भी काफी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इस बात को जान लीजिए कि फिट रहने के लिए खाना पीना छोड़ना नहीं, बल्कि सही चीजों का सेवन करना ज्यादा जरूरी है।

नींबू पानी का ज्यादा सेवन

गर्मी के दिनों में नींबू पानी काफी फायदेमंद है, इस बात में कोई दोराय नहीं है, लेकिन बता दें कि इसके ज्यादा सेवन से आपको पेट में जलन की समस्या हो सकती है, साथ ही इससे दांतों को भी नुकसान पहुंचता है। अगर आपका मकसद वजन घटाना है, तो नींबू की जगह सादा गुनगुना पानी भी पी सकते हैं।

बर्फ का ज्यादा इस्तेमाल

अगर आपको भी गर्मियों में पानी से लेकर हर शर्बत या जूस में बर्फ डालने की आदत है, तो सावधान हो जाइए। इससे आपको खांसी-जुकाम ही नहीं, बल्कि खराब पाचन की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में कोशिश करें कि ठंडी चीजों में बर्फ डालकर न पिएं, यह सेहत को कई समस्याएं दे सकता है।

कच्चे फलों का सेवन

आजकल कच्चे फलों का जूस कई लोग पीना पसंद कर रहे हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी पिछले दिनों एक ट्रैंड देखने को मिला है। बता दें, इसे बनाने से पहले आपको फलों को उबाल लेना चाहिए, इससे आप अपच, गैस और एसिडिटी की समस्या से बच सकते हैं।

गर्मी में ज्यादा कसरत

गर्मी के मौसम में ज्यादा कसरत करना भी आपकी सेहत को भारी पड़ सकता है। जी हां, बता दें कि वातावरण के गर्म होने पर जिम या पार्क में ज्यादा समय बिताना ठीक नहीं है। इससे आपको सिरदर्द और डिहाइड्रेशन जैसी तकलीफें हो सकती हैं। ऐसे में ध्यान रखें कि इस मौसम में एक्सरसाइज के लिए सुबह-सवेरे का वक्त ही चुनें।

खरबूजा स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए फायदेमंद

गर्मी के मौसम में त्वचा का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। खरबूजा खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना गया है। यही नहीं इसका जूस त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और चेहरे की गंदगी को साफ करता है। यह त्वचा के लिए नेचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है। इसमें पानी और विटामिन भरपूर होता है, जो चेहरे को खूबसूरत बनाने में मदद करता है।

खरबूजे का जूस

गर्मी के दिनों में अगर आप रोजाना खरबूजे का जूस पीते हैं, तो इसमें मौजूद एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा के पिंपल्स को कम करने में मदद करते हैं। इसके जूस में विटामिन सी भरपूर होता है, जो त्वचा को मुलायम बनाता है। यही नहीं खरबूजे का जूस झुर्रियों को कम करने में भी काफी कारगर माना गया है। इसके अलावा खरबूजा सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना गया है। आप इसका रोजाना सेवन कर अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।

ऐसे करें सेवन

खरबूजे का जूस आप घर पर बनाकर पी सकते हैं। इसके अलावा आप किसी स्टोर से खरीद कर उसका उपयोग करें। इसे आप दिन में दो बार पी सकते हैं, ध्यान रहे जूस ताजा होना चाहिए। इसके अलावा आप खरबूजे के जूस को किसी दूसरे जूस में शामिल कर भी पी सकते हैं। गर्मी के दिनों में आप खरबूजे के जूस को अपनी डाइट में शामिल कर अपनी त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। इसके अलावा कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। जैसे इसके जूस का अधिक सेवन करने से कुछ लोगों को समस्या हो सकती है। अगर इससे आपको कोई एलर्जी या समस्या होती है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। डायबिटीज पेशेंट इसका सेवन डॉक्टर की सलाह लेकर करें। अगर आप भी चमकदार स्किन पाना चाहते हैं, तो आज से खरबूजे का जूस पीना शुरू कर दें।

रोजाना दलिया खाने के फायदे

गर्मी के मौसम में सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। अधिकतर लोगों को गर्मी के दिनों में पानी की कमी होने लगती है इससे शरीर को काफी नुकसान पहुंचता है। इन सब समस्याओं से बचने के लिए आप रोजाना दलिया का सेवन कर सकते हैं। आईए जानते हैं दलिया के फायदों के बारे में...

दलिया के फायदे

दलिया में प्रोटीन, फाइबर जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं साथ ही एसिडिटी, कब्ज और पेट से जुड़ी समस्याओं से दलिया राहत दिलाता है। अगर आप मोटापे से परेशान है, तो रोजाना ब्रेकफास्ट में दलिया खाना शुरू कर दें। यह पेट भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे वजन कम करने में काफी मदद मिलती है।

मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद

दलिया एक उच्च फाइबर वाला भोजन है, जिसमें बीटा-ग्लूकॉन नामक एक फाइबर होता है। जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है और हृदय संबंधित बीमारियों को दूर रखता है। यही नहीं इसका रोजाना नाश्ते में सेवन करने से मधुमेह रोगियों को काफी फायदा पहुंचता है। दलिया में मैग्नीशियम और फास्फोरस अच्छी मात्रा में होता है। जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

त्वचा के लिए भी है लाभदायक

दलिया सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाता है। यह त्वचा को हाइड्रेट करती है और पिंपल्स को कम करने में मदद करती है। इसका रोजाना सेवन करने से चेहरा चमकदार बनता है। आप दलिया को नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के समय भी खा सकते हैं। यह एक पौष्टिक आहार है, जिसे आप किसी भी समय खा सकते हैं। ध्यान रहे इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करने से कुछ लोगों को समस्या हो सकती है।

गौ माता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने की मांग, यादव समाज ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। देश में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग को लेकर अब यादव समाज ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को दुर्ग जिला ठेठवार यादव महासभा के पदाधिकारियों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद की और जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा।

सनातन संस्कृति का आधार है गौ माता- महासभा के पदाधिकारियों का कहना है कि गौ माता न केवल हमारी सनातन संस्कृति का प्रतीक हैं, बल्कि वे भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार भी हैं। ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया कि गौ हत्या पर देशभर में एक सख्त कानून बनाकर इस पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जानी चाहिए। संगठन के अनुसार, यह मांग करोड़ों सनातनियों की आस्था और भावनाओं से जुड़ी हुई है।

डोली में मांग पत्र लेकर पहुंचे प्रदर्शनकारी- प्रदर्शन के दौरान एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता और यादव समाज के लोग एक डोली में गौ माता का मांग पत्र रखकर कलेक्टोरेट पहुंचे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने गौ माता के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा व्यक्त की।

आंदोलन की चेतावनी- महासभा ने स्पष्ट कर दिया है कि यह केवल एक ज्ञापन नहीं, बल्कि एक बड़े आंदोलन की शुरुआत है। पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक गौ माता को उनका उचित सम्मान और अधिकार नहीं मिल जाता, तब तक वे चुप नहीं बैठेंगे। आने वाले समय में इस मांग को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रखने की चेतावनी भी दी गई है।

खुशियां बदलीं मातम में; बाराती बस पलटी, 19 घायल, दो की हालत नाजुक

दुर्ग। दुर्ग जिले के बोरी थाना क्षेत्र में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दुर्ग से मड़ियापार गई एक बारात की बस वापसी के दौरान अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में बस सवार करीब 19 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बारात की यह बस 'दादा कंपनी' की थी। मड़ियापार से लौटते समय बोरी थाना क्षेत्र के पास चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया।

अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, घायलों में से एक बुजुर्ग और एक मासूम बच्चे की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया जा सकता है। बाकी घायलों का उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही बोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मठ-मंदिरों की आय व्यय पर अब सोशल आडिट : डॉ सौरभ निर्वाणी

बेमेतरा। प्रदेश में मठ-मंदिरों की आय एवं संसाधनों के पारदर्शी और धर्मसम्मत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए धर्म स्तंभ कार्उंसिल ने एक ऐतिहासिक पहल की घोषणा की है,कार्उंसिल के महंत सुरेंद्र दास ने स्पष्ट कहा है कि मठ-मंदिरों की उपज एवं आय का उपयोग पूर्णतः भोग, भजन, प्रसाद, साधु सेवा, गौशाला संचालन एवं लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए ही किया जाएगा, न कि किसी भी प्रकार के निजी उपयोग के लिए।

सामाजिक ऑडिट से आएगी पारदर्शिता

काउंसिल ने प्रदेश के सभी मठ-मंदिरों की आय-व्यय का सोशल ऑडिट करने का निर्णय लिया है,इसके लिए मठ मंदिरों को सूचना पत्रक भेजे जा रहे हैं, जिससे हर स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

कमजोर मंदिरों को मिलेगा सहयोग

ऐसे मठ-मंदिर, जिनके नियमित संचालन में आर्थिक बाधा आ रही है, उन्हें धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि धार्मिक परंपराएं भोग आरती प्रसाद निरंतर चलती रहे। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरभ निर्वाणी ने इस विषय पर कहा कि मठ-मंदिरों की भूमि और आय किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज और सनातन परंपरा की धरोहर है,इसका एक-एक अंश धर्म, सेवा और लोककल्याण के लिए समर्पित होना चाहिए,आज आवश्यकता है कि हम मठ-मंदिरों को पुनः आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में स्थापित करें,सामाजिक ऑडिट के माध्यम से पारदर्शिता आएगी और समाज का विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

मेरा मंदिर मेरी शक्ति अभियान को बढ़ावा

महंत दिवाकर दास ने मंदिरों की भूमि के सदुपयोग हेतु 'मेरा मंदिर मेरी शक्ति' अभियान को गति देने की बात कही है, जिसके अंतर्गत पंचवटी वृक्षारोपण,गौशाला निर्माण,भंडारा एवं प्रसाद हेतु कृषि उत्पादन,लोक संस्कृति का संरक्षण जैसे कार्य किए जाएंगे। रामजानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने समाज के युवाओं से 'चलो मठ-मंदिरों की ओर' अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी,उन्होंने यह कहा मठ-मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक आत्मा है,इनकी पवित्रता और संसाधनों की रक्षा हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

बेमेतरा। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा में वार्षिक परीक्षा परिणाम घनश्याम बिहारी नामदेव पूर्व प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य तुका राम साहू विशिष्ट अतिथि एवं ललितेश साहू व्यवस्थापक की उपस्थिति में प्राचार्य मालिक राम वर्मा ने घोषणा किए। सर्वप्रथम विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती, ब्रम्ह स्वरूप ओम एवं भारत माता के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर दीप मंत्र एवं वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात अतिथियों का परिचय व्यवस्थापक ललितेश साहू द्वारा एवं शाल लेखनी व गीता ग्रन्थ प्रदान कर स्वागत परीक्षा प्रमुख सेवक राम साहू द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में सरस्वती शिशु मंदिर के संस्कार, अनुशासन, आध्यात्म,जैसी दिए जाने वाली शिक्षा की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए अभिभावकों से आग्रह किया कि हम अपने बच्चों को सरस्वती शिशु मंदिर में ही पढ़ाएं। इसी कड़ी में विद्यालय के प्राचार्य मालिक राम वर्मा ने सभी भैया बहिनों को बधाई देते हुए परीक्षा परिणाम घोषित किए । जिसमे प्राथमिक विभाग 231 परीक्षार्थी शामिल हुए परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। माध्यमिक विभाग में 174 परीक्षार्थी में से 158 उत्तीर्ण हुए । इस प्रकार विद्यालय में उत्तीर्ण प्रतिशत 96.04 प्रतिशत रहा। असफल छात्रों का द्वितीय अवसर परीक्षा 18 मई से आयोजित होगा। कक्षा 3 से 11 वी तक प्रथम तीन स्थान जो 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं उनका मेधावी छात्र परीक्षा 12 मई को होना है जिसमे सभी परीक्षार्थी को शामिल होने आग्रह किया गया। मेधावी छात्रों की सूची कक्षा अरुण खुशी देवांगन 99.5प्रतिशत प्रथम स्थान, केवल साहू 99प्रतिशत द्वितीय स्थान, कक्षा उदय समृद्धि गोस्वामी 99 प्रतिशत प्रथम स्थान,अंशलान 97.5 प्रतिशत द्वितीय स्थान, कक्षा प्रथम भूमिका जायसवाल 96.5 प्रतिशत प्रथम स्थान, मेधा वर्मा द्वितीय स्थान, कक्षा द्वितीय खेयांश बघेल 95.9 प्रतिशत प्रथम स्थान, भूमि मार्कण्डेय 91.1 प्रतिशत द्वितीय स्थान, कक्षा तृतीय यामिनी साहू 94.4 प्रतिशत प्रथम, अथर्व साहू 93.4 प्रतिशत द्वितीय, कक्षा चतुर्थ मीनाक्षी वर्मा 95.8प्रतिशत प्रथम, राधिका साहू 94.7प्रतिशत द्वितीय,गीतेश साहू 93प्रतिशत तृतीय, कक्षा षष्ठ प्रिया साहू 85.63प्रतिशत प्रथम, फाल्गुनी सेन 85.6 प्रतिशत द्वितीय, कुंजन साहू 82.8प्रतिशत तृतीय, कक्षा सप्तम चांदनी जायसवाल 71.5प्रतिशत प्रथम, चित्रलेखा साहू 70.8प्रतिशत द्वितीय, कक्षा नवम अभिलाषा बांधे 89.9प्रतिशत प्रथम, हेमेश सिन्हा 85.68 प्रतिशत द्वितीय, प्रियम निर्मलकर 85.5प्रतिशत तृतीय, कक्षा एकादश राहुल कुमार यदु 86.1प्रतिशत प्रथम, मनीष कुमार वर्मा 85.4प्रतिशत द्वितीय स्थान प्राप्त किया। परीक्षा परिणाम की घोषणा के साथ ही मेधावी छात्रों को एवं अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को अतिथियों के कर कमलों से प्रमाण पत्र सह अंकसूची एवं पारितोषिक प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य, भैया, बहिन, एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे। संचालन राजकुमार कोठारी,आभार प्रदर्शन सेवक राम साहू ने किया। विद्यालय की श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिए वंदे मातरम शिक्षण समिति के अध्यक्ष माननीय अनिल माहेश्वरी , उपाध्यक्ष अजय ठाकुर, कोषाध्यक्ष रामा मोटवानी, व्यवस्थापक ललितेश साहू, सह व्यवस्थापक रितेश तापड़िया, सहित निवेदिता जोशी ,ज्योति सिंघानिया, संतोष कसार, ने समस्त भैया बहिनों एवं आचार्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी ऐसी ही उत्कृष्ट परिणाम बनाए रखने का आग्रह किया। उक्त जानकारी विद्यालय के प्राचार्य मालिक राम वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में दी।
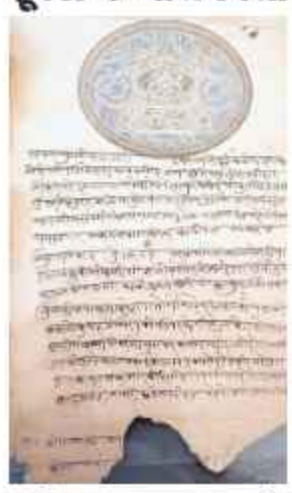
पांडुलिपि सर्वेक्षण के दौरान झींकाटोला में बलीराम हूपेंडी के पास मिला ऐतिहासिक दस्तावेज

दल्लीराजहरा। ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत 22 अप्रैल को डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम झींकाटोला में सर्वेक्षण कार्य के दौरान बलीराम हूपेंडी के पास अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज प्राप्त हुए। डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती प्राची ठाकुर ने बताया कि दस्तावेजों में गोंड शासकों के मुकदम वंशावली स्व. सोनकर सिंह हूपेंडी के पिता स्व. बुधियार सिंह हूपेंडी मुकदम (पटेल) के भी पूर्व अंग्रेजों के समय के लगभग 1890 ई. के आस-पास के संग्रह स्टाम्प पेपर 07 प्रति प्राप्त किए गए। जिसे सुरक्षित लेमिनेशन कर बलीराम हूपेंडी द्वारा रखा गया है। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण एवं संरक्षण किया जाएगा जिससे कि आने वाली पीढ़ी अपने समृद्ध इतिहास से परिचित हो सके। इस अवसर पर एबीईओ ए के साहू, बीआरसीसी दिनेश मलेकर, सहायक नोडल विजय यादव, भागवत इंदौरिया एवं प्रधान पाठक भगवान सिंह सलामे उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 133वीं कड़ी का सामूहिक श्रवण

दल्लीराजहरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 133वीं कड़ी का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम 26 अप्रैल को बालोद जिले में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल के नेतृत्व में जिले के सभी 17 मंडलों में कार्यकर्ताओं और आमजनों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। बूथ स्तर पर सामूहिक श्रवण :- इसी कड़ी में दल्लीराजहरा के वार्ड क्रमांक 17 (बूथ क्रमांक 205) में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री गजेन्द्र दास द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने वार्डवासियों और विशेषकर महिलाओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। जायसवाल ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम समाज में सकारात्मक

परिवर्तन लाने और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराने का एक सशक्त मंच है। रोजगार और स्वरोजगार पर चर्चा :- कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संदेशों से प्रेरणा लेते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें महिला स्व-सहायता समूहों और PMEGP (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) जैसी योजनाओं की जानकारी दी गई। भविष्य की कार्ययोजना :- इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने घोषणा की कि 'मन की बात' से मिली प्रेरणा को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही पूरे जिले में मंडल स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में PMEGP योजना के तहत जरूरतमंदों को लोन दिलाने से लेकर प्रोजेक्ट लगाने तक की पूरी सहायता भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा की जाएगी, ताकि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया जा सके।

भावना बोहरा के प्रयासों से पंडरिया को 8.03 करोड़ की विकास सौगात

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुल 8 करोड़ 3 लाख 67 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि राज्य शहरी अभिकरण, अधोसंरचना मद, राज्य प्रवर्तित योजना तथा खनिज साधन विभाग के माध्यम से स्वीकृत हुई है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2.0) के अंतर्गत नगर पंचायत पांढातराई में इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन ड्रेन सहित एसटीपी निर्माण के लिए ?3 करोड़ 6 लाख 88 हजार स्वीकृत किए गए हैं। इस परियोजना से नालियों के गंदे पानी का समुचित प्रबंधन होगा, जलभराव की समस्या कम होगी और प्राकृतिक

जलस्रोतों को प्रदूषण से राहत मिलेगी। वहीं नगर पालिका पंडरिया तथा नगर पंचायत इंदौरी और पांढातराई में अधोसंरचना मद एवं राज्य प्रवर्तित योजना के तहत ?3 करोड़ 36 लाख 79 हजार की स्वीकृति मिली है। इंदौरी में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन एवं मुक्तिधाम उन्नयन जैसे कार्य स्थानीय रोजगार और सामाजिक सुविधाओं को मजबूती देंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास को प्राथमिकता देते हुए 8 ग्राम पंचायतों–बगदई, बिरनपुरकला, नवागांवखुर्द, रेंगाबोड़, रंजीतपुर, जंगलपुर, अतरियाखुर्द और कुण्डा–में नवीन पंचायत भवन निर्माण हेतु ?1 करोड़ 60 लाख की स्वीकृति दी गई है। विधायक भावना बोहरा ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के सहयोग से पंडरिया में नगरीय और ग्रामीण विकास का संतुलित विस्तार सुनिश्चित हो रहा है, जो समृद्ध और सशक्त पंडरिया की मजबूत नींव साबित होगा।

राष्ट्रीय वित्तीय दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों मे विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बेमेतरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026-27 के अनुसार 'राष्ट्रीय वित्तीय दिवस दिनांक 25.04.2026 के अवसर पर माननीय अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीशमती सरोज नंद दास के मार्गदर्शन में वमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में भारतीय स्टेट बैंक स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण संस्थान चोरभट्ठी, शासकीय जिला चिकित्सालय बेमेतरा, ग्राम खाल्हेदेवरी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरदा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर में सचिव द्वारा वित्तीय दिवस पर लोगों को पैसे के सही उपयोग, बचत, निवेश, और सही जगह पर निवेश के बारे में जानकारी देते हुए धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताया गया। बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट की प्रति जागरूक रहने प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचत करने और अपने भविष्य को मजबूत बनाने में उपयोग करने की जानकारी देते हुए आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 09 मई, 2026 में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु निम्न प्रकृति के प्रकरण जैसे न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य आपराधिक मामले, चेक बाउन्स संबंधी न्यायालय में लंबित प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक / पारिवारिक विवाद संबंधी, सिविल वाद, बिजली व पानी बिल बकाया संबंधी विवाद आपदा प्रबंधन क्षतिपूर्ति संबंधी विवाद के निराकरण किये जाने के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में अधिकार मित्र (पी0एल0व्ही0) पंकज कुमार घृतलहरे, संजीव शर्मा, घरमू बारले, स्वाति कुंजाम, पवन साहू, देवेन्द्र यादव व टुवेन्द्र वर्मा उपस्थित रहे।

बेमेतरा जिले के आशुतोष चौबे, जोगीराम वर्मा और दीपक यादव को मिला राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्नम्मान

बेमेतरा। गुणात्मक लब्धियों को लक्ष्य बनाकर कार्य करना चाहिए।- यह बात माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़ रायपुर के उप सचिव डॉ बी रघु ने कही। वे प्रो जे एन पाण्डेय उत्कृष्ट विद्यालय, रायपुर के सभागार में आयोजित 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षिक संप्रवाह कार्यक्रम 2025-26' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विजन, मिशन और लक्ष्य को सीढ़ी बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। कार्य में आत्मसंतुष्टि जरूरी है तथा सामुदायिक सहभागिता को नवाचार से जोड़ना समय की मांग है। समग्र शिक्षा रायपुर के उप संचालक ए के सारस्वत ने कहा कि नवाचारी शिक्षक ही विभाग की मजबूत नींव हैं। नवाचार का कोई अंत नहीं होता और शिक्षकों का यह स्वप्रेरित प्रयास सराहनीय है। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने कहा कि यह समूह केवल नवाचारी नहीं बल्कि परिवर्तनकारी है। कार्यक्रम में अरुण कुमार शर्मा (डीएमसी) एवं सुचिता पाण्डेय (प्राचार्य) ने भी विचार

रखे। इस अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से कुल 160 नवाचारी शिक्षकों का हुआ सम्मान हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से चयनित 160 नवाचारी शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। देशभर से 700 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से चयन प्रक्रिया के बाद शिक्षकों का चयन किया गया। इस गरिमामय अवसर पर बेमेतरा जिले के 3 नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। आशुतोष चौबे, शासकीय प्राथमिक शाला चोरभट्टी, विकासखंड साजा, जोगीराम वर्मा, शासकीय प्राथमिक शाला सिलघट विकासखंड बेरला और दीपक कुमार यादव, शासकीय प्राथमिक शाला प्रतापपुर, विकासखंड नवागढ़। इन शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट शिक्षण नवाचारों के लिए 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान' प्रदान किया गया। नवाचारी शिक्षकों की विशेष प्रस्तुति कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, अंडमान-निकोबार, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान के शिक्षकों ने लाइव प्रस्तुतियां दीं। प्रमुख प्रस्तुतियों में सैय्यद रफीक का -एक संकल्प एक पेड़-, ऋांभरा कश्यप का देशभक्ति आधारित नवाचार, आशुतोष चौबे (चोरभट्ठी, साजा) का क्रिकेट के माध्यम से पहाड़ा याद कराने का तरीका, गुना राम का नवोदय चयन में 530 बच्चों की सफलता, संदीप सेन के विज्ञान प्रयोग, ललित कुमार का रंगोली नवाचार तथा ममता सिन्हा (जशपुर) का अंग्रेजी में 100त परिणाम शामिल रहे। शिक्षक खुद कर रहे आयोजन नवाचारी गतिविधियां समूह द्वारा यह कार्यक्रम पिछले 5 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। यह शिक्षकों का स्वप्रेरित समूह है, जो स्वयं संसाधन जुटाकर आयोजन करता है। देशभर के शिक्षक इस समूह से जुड़े हैं और एक-दूसरे से सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। समूह के प्रमुख संजीव सूर्यवंशी ने सभी शिक्षकों से नवाचार साझा करने की अपील की। सम्मान के लिए देशभर से 700 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें छत्तीसगढ़ से 400 से ज्यादा आवेदन शामिल थे। दस्तावेज सत्यापन, साक्षात्कार और प्रस्तुतियों के आधार पर अंतिम चयन किया गया। नवाचार से सीखना हुआ रोचक चयनित शिक्षकों ने जमीनी स्तर पर शिक्षा को सरल और रोचक बनाने के लिए किए गए प्रयोग प्रस्तुत किए। इन नवाचारों से बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ी है और शैक्षणिक परिणामों में भी सुधार हुआ है। कार्यक्रम में कई शिक्षाविदों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com